भीम प्रज्ञा अलर्ट

जो समाज सवाल पूछने से डरने लगे, समझ लीजिए वहां जवाबों पर पहरा बैठ चुका है।

दैनिक

भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

2009 से स्थापित

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-70 | झुंझुनू (राजस्थान) | शुक्रवार, 30 जनवरी, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

यूजीसी कानून में बदलाव : शिक्षा सुधार या भ्रम का विरोध?

देश में शिक्षा केवल डिग्री हासिल करने का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और समरसता की नींव है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए कानूनों में समय-समय पर बदलाव किए जाते रहे हैं। हाल ही में यूजीसी कानून में हुए संशोधनों को लेकर देश के कुछ हिस्सों में विरोध प्रदर्शन देखने को मिल रहे हैं। यह विरोध कई सवाल खड़े करता है—क्या यह कानून वास्तव में किसी वर्ग के खिलाफ है या फिर शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और न्यायपूर्ण बनाने की कोशिश? यह मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

कानून का उद्देश्य क्या है?

यूजीसी से जुड़े कानूनों का मूल उद्देश्य विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखना, प्रशासनिक अनियमितताओं पर रोक लगाना और यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी छात्र के साथ जाति, वर्ग या सामाजिक पहचान के आधार पर भेदभाव न हो। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 14 समानता का अधिकार देता है, अनुच्छेद 15 भेदभाव को रोकता है और अनुच्छेद 21 जीवन के साथ गरिमा का अधिकार सुनिश्चित करता है। शिक्षा से जुड़ा हर कानून इन्हीं संवैधानिक मूल्यों की कसौटी पर खरा उतरना चाहिए।

यूजीसी कानून में बदलाव इसी संवैधानिक भावना से प्रेरित हैं। इसका मकसद दोषी को दंडित करना नहीं, बल्कि उन स्थितियों को रोकना है, जहां शिक्षा संस्थानों में भेदभाव, शोषण या अनियमितता पनपती है।

विरोध का आधार और सवाल

यह प्रश्न स्वाभाविक है कि यदि कोई व्यक्ति या संस्था कानून के दायरे में ईमानदारी से कार्य कर रही है, तो उसे ऐसे कानून से डर क्यों होना चाहिए? कानून अपराध रोकने के लिए होते हैं, न कि सामान्य नागरिक को भयभीत करने के लिए।

जब अस्पृश्यता, जातिगत भेदभाव या मानसिक उत्पीड़न जैसे अपराध किए ही नहीं जा रहे हों, तो उनके खिलाफ बने कानून का विरोध किस कारण से? यही विरोध यह संकेत देता है कि कहीं न कहीं मानसिकता की समस्या है, कानून की नहीं।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को समझना जरूरी

भारत का सामाजिक इतिहास यह बताता है कि एक बड़े वर्ग ने सदियों तक अपमान, बहिष्कार और अन्याय सहा है। इसी अनुभव से सीख लेते हुए संविधान निर्माताओं ने सामाजिक न्याय को संविधान की आत्मा बनाया। डॉ. भीमराव अंबेडकर ने स्पष्ट कहा था कि जब तक समाज में समानता नहीं आएगी, तब तक लोकतंत्र अधूरा रहेगा। यूजीसी कानून में बदलाव भी इसी सोच की निरंतरता हैं, ताकि शिक्षा संस्थान केवल पढ़ाई के केंद्र न रहें, बल्कि समानता और सम्मान के भी उदाहरण बनें।

लोकतंत्र में कानून और संस्थाओं की भूमिका

भारतीय लोकतंत्र तीन स्तंभों—विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका—पर टिका है। संसद कानून बनाती है, सरकार उन्हें लागू करती है और न्यायपालिका उनकी संवैधानिक समीक्षा करती है। यूजीसी से जुड़े कानून भी इसी लोकतांत्रिक प्रक्रिया से होकर आए हैं। यदि किसी कानून में खामी होती है, तो न्यायालय का दरवाजा खुला है। लेकिन सड़कों पर उतरकर बिना पूरी समझ के विरोध करना, शिक्षा व्यवस्था में अनावश्यक भ्रम और तनाव पैदा करता है।

कानून दंड के लिए नहीं, संतुलन के लिए

यह समझना जरूरी है कि कानून का मकसद सजा देना नहीं, बल्कि गलत कार्यों को रोकना है। कानून तभी सक्रिय होता है, जब उसका उल्लंघन होता है। यदि कानून का दुरुपयोग होता है, तो वह भी अपराध है और उस पर भी संवैधानिक उपाय मौजूद हैं।

अच्छी मानसिकता वाले समाज में कानूनों का प्रयोग कम और उनका सम्मान अधिक होता है। इसलिए असली चुनौती कानून की कठोरता नहीं, बल्कि समाज की सोच है।

शिक्षा सुधार की दिशा में अवसर

यूजीसी कानून में बदलाव को एक अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए—एक ऐसे अवसर के रूप में, जहां शिक्षा संस्थान आत्ममंथन करें, अपनी कमियों को सुधारें और विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित व समान वातावरण बनाएं।

आज आवश्यकता है संवाद की, न कि टकराव की। सुधार का विरोध करने के बजाय यह देखना चाहिए कि शिक्षा व्यवस्था कैसे अधिक पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण और न्यायपूर्ण बन सकती है। यूजीसी कानून में बदलाव शिक्षा सुधार और सामाजिक न्याय की दिशा में एक संवैधानिक कदम है। इसका विरोध करने से पहले इसके उद्देश्य और कानूनी आधार को समझना आवश्यक है। कानून से डरने की जरूरत केवल उन्हें होती है, जो कानून तोड़ने की मानसिकता रखते हैं। ईमानदार शिक्षक, विद्यार्थी और संस्थानों के लिए यह कानून सुरक्षा कवच है। यदि हम वास्तव में मजबूत लोकतंत्र और समावेशी शिक्षा चाहते हैं, तो सुधारों का स्वागत करना ही समय की मांग है।

सीकर पुलिस ने शहर में लगाई सुझाव पेटिका: अब एसपी को शिकायत/सुझाव भेज सकेंगे

भीम प्रज्ञा न्यूज

सीकर । सीकर में अब यदि किसी को पुलिस अधीक्षक (SP) को शिकायत या कोई सुझाव भेजना हो, तो वे सुझाव पेटिका में अपने पत्र डाल सकेंगे। आज शाम को सीकर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ASP) डॉ. तेजपाल सिंह, सीओ सिटी संदीप चौधरी, और शहर कोतवाल सुनील कुमार जाखिड़ ने सीकर के कल्याण सर्किल पर सुझाव पेटिका लगाई। इस दौरान कॉन्स्टेबल दलीप सहित अन्य पुलिसकर्मी भी मौजूद रहे।

सीकर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ASP) डॉ. तेजपाल सिंह ने बताया कि पिछले दिनों सीकर के कोतवाली थाने में शहरवासियों के

ASP बोले-सॉल्यूशन के लिए अलग सेल बनेगी

साथ हुई बैठक में सीकर शहर में सुझाव पेटिका लगाने का निर्णय लिया गया था। एक सप्ताह में शहर में कल्याण सर्किल, जाट बाजार, घंटाघर सहित अन्य जगहों पर आज सुझाव पेटिका लगा दी गई है। अब लोग पत्रों के माध्यम से इनमें अपनी शिकायतें और सुझाव डाल सकेंगे। इसके लिए पुलिस अधीक्षक (SP) कार्यालय में एक अलग प्रकोष्ठ (सेल) बनाया जाएगा, जो शिकायतों और सुझावों के समाधान के लिए काम करेगा। शिकायत और सुझाव देने वाले के नाम की गोपनीयता रखी जाएगी। सीकर पुलिस यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयासरत रहेगी कि कम समय में समाधान हो सके।

शिक्षा मंत्री शनिवार को विभिन्न कार्यक्रमों में करेंगे शिरकत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

प्रदेश के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर 31 जनवरी को एक दिवसीय दौरे पर झुंझुनू आएंगे। वह सुबह 7 बजे जयपुर से रवाना होकर प्रातः 11 बजे बगड़ में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसके बाद वे दोपहर 1 बजे सूरजगढ़ में नगर पालिका क्षेत्र की नवीन सड़कों के लोकार्पण कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। दोपहर 2 बजे शिक्षा मंत्री लंबी अहीर में शहीद सुरेश उच्च माध्यमिक विद्यालय सहड़ में बनी बाल वाटिका का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद में झुंझुनू आएंगे। शिक्षा मंत्री रात 9:15 बजे ट्रेन से कोटा के लिए रवाना होंगे।

टोहाना के एडवोकेट अमरीक सिंह कैंथ भीम आर्मी लीगल विंग टोहाना के कार्यकारिणी सदस्य हुए नियुक्त

भीम आर्मी लीगल विंग के प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट चौधरी विजय कृष्ण रंगा व जिला संयोजक अमित सैनी ने दी बधाई

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । हरियाणा भीम आर्मी लीगल विंग के प्रदेश जोन प्रभारी व प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट चौधरी विजय कृष्ण रंगा व जिला फतेहाबाद प्रभारी एडवोकेट अमित सैनी ने टोहाना के युवा अधिवक्ता अमरीक सिंह कैंथ को भीम आर्मी लीगल विंग टोहाना कार्यकारिणी का सदस्य मनोनीत किया।इस मनोनयन

के बाद उन्हें भीम आर्मी लीगल विंग के कार्यकारिणी सदस्य की सदस्यता पर भीम आर्मी लीगल विंग टोहाना के अध्यक्ष एडवोकेट तरसेम कैरों व भीम आर्मी लीगल विंग के अन्य वरिष्ठ सदस्यों ने बधाई दी। एडवोकेट कैंथ ने अपने कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त होने पर खुशी जताई और कहा कि वे अपने पद की गरीमा के अनुरूप संगठन के लिए हमेशा मेहनत करते रहेंगे और डाक्टर भीमराव अंबेडकर के पद चिन्हों पर चलते हुए संविधान के अनुरूप वकील समाज की सेवा करते रहेंगे। कैंथ ने भीम आर्मी लीगल विंग के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट ध्रुव कुमार फरीदाबाद व राष्ट्रीय चैयरमेन एडवोकेट मोहन श्याम आर्य, सुप्रीम कोर्ट का भी धन्यवाद किया।

जयपुर रेंज में सम्मानित होने पर चिड़ावा पहुंचने पर पुलिस उपाध्यक्ष विकास धीधवाल का भव्य स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

जयपुर रेंज कार्यालय में आयोजित गणतंत्र दिवस सम्मान समारोह में महानिदेशक पुलिस, राजस्थान द्वारा सम्मानित किए गए चिड़ावा पुलिस उपाध्यक्ष विकास धीधवाल के चिड़ावा आगमन पर राष्ट्रीय जाट महासंघ के तत्वाधान में उनका भव्य सम्मान किया गया। इस अवसर पर महासंघ के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा पुलिस उपाध्यक्ष विकास धीधवाल का फूल मालाओं, साफा, सोल एवं तेजाजी महाराज के छायाचित्र भेंट कर सम्मान किया गया। सभी ने उनके उत्कृष्ट पुलिस सेवा, कर्तव्यनिष्ठा एवं कानून व्यवस्था को मजबूत करने में दिए गए योगदान की सराहना की।कार्यक्रम में राष्ट्रीय जाट महासंघ के जिला उपाध्यक्ष रामनिवास यादव, जय सिंह बराला, पिलानी ब्लॉक अध्यक्ष वीरेंद्र पूनिया,

ब्लॉक प्रभारी अमर सिंह काजला, पिलानी उपाध्यक्ष दुलीचंद लमोरिया सहित अनेक पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहें। इस दौरान उपस्थित जनों ने पुलिस उपाध्यक्ष विकास धीधवाल को सम्मान मिलने पर गर्व व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा 251 फीट तिरंगे से तिरंगा यात्रा निकाली गई

भीम प्रज्ञा न्यूज़.गुढ़ागौड़जी।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद झुन्झुनू जिल के गुढ़ा गौड़जी नगर इकाई द्वारा 251 फीट तिरंगे से तिरंगा यात्रा निकाली गई। जिला संयोजक अभय प्रताप सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. संदीप चौधरी, मुख्य वक्ता केंद्रीय कार्य समिति सदस्य अभाविप अभिनव सिंह, विशिष्ट अतिथि अभाविप प्रांत सोशल मीडिया संयोजक नितेश तिवाड़ी बजावा एवं समाजसेवी जयसिंह माठ उपस्थित रहे। नगर मंत्री वीर प्रताप सिंह ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी मंचाशीन अतिथियों एवं उपस्थित युवा गणों का स्वागत भाषण के माध्यम से स्वागत किया। मुख्य अतिथि डॉ. संदीप चौधरी ने कहां कि विद्यार्थी परिषद राष्ट्रीय हितों में काम करने वाला एकमात्र छात्र संगठन है तो

आज के समय प्रत्येक विद्यार्थी को विद्यार्थी परिषद के साथ जुड़ना चाहिए। मुख्य वक्ता अभिनव सिंह ने बताया कि विद्यार्थी परिषद अनेकों आयाम एवं गतिविधियों के माध्यम से देश भर में छात्र-छात्राओं के लिए कार्य कर रही है। विशिष्ट अतिथि नितेश तिवाड़ी ने कहा कि विद्यार्थी परिषद ने युवाओं के लिए पूरे देश भर में 'स्क्रीन टाइम टू एक्टिविटी टाइम' अभियान चलाया है जिसके माध्यम से एबीवीपी का मानना है कि विद्यार्थियों को मोबाइल स्क्रीन से दूर रखकर शारीरिक एवं मानसिक गतिविधियों में ध्यान देना चाहिए। विशिष्ट अतिथि जयसिंह माठ ने कहा कि विद्यार्थी परिषद की कार्यकर्ता आज पूरे देश भर में अलग-अलग राजनीतिक दलों के माध्यम से देश का नेतृत्व कर रहे हैं और देश के लिए राष्ट्र पुनर्निर्माण की भावना से काम कर रहे हैं, हमें आज तिरंगा यात्रा के माध्यम से संकल्प लेना चाहिए कि हमें भी राष्ट्र पुनर्निर्माण की भावना से प्रत्येक दिन काम करना चाहिए।

तिरंगा यात्रा 251 फीट तिरंगे के साथ राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गुढ़ा गौड़जी से शुरू होकर चंवरा रोड होते हुए गुढ़ा के मुख्य बाजार से होते हुए विवेकानंद चौक पर पहुंची। गुढ़ा नगर के विभिन्न स्थानों पर तिरंगा यात्रा का नागरिकों द्वारा पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया गया। विवेकानंद चौक पर विवेकानंद जी की की प्रतिमा पर मालार्पण करने के बाद जिला संयोजक अभय प्रताप सिंह ने नागरिकों एवं सभी छात्र-छात्राओं का धन्यवाद किया जिन्होंने इस भव्य तिरंगा यात्रा को सफल बनाया एवं वंदे मातरम गीत के साथ तिरंगा यात्रा का समापन हुआ।इस अवसर पर कार्यक्रम के मध्य झुंझुनू जिले के जिला संगठन मंत्री भवानी सिंह, नगर मंत्री वीर प्रताप, सह मंत्री विश्वास शर्मा, इकाई अध्यक्ष गणेश सेन, यशवीर शेखावत, गौतम शर्मा, झुन्झुनू नगर मंत्री रोहित गुर्जर, मनजीत, वंशदीप सिंह भवानी सिंह,दिपेन्द्र सिंह, आशीष गोदारा आदि कार्यकर्ता एवं छात्र-छात्र उपस्थित रहें।

विद्यार्थी परिषद ने मनाया लोकदेवता तेजाजी महाराज का जन्मदिवस

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से गुरुवार को लोक देवता तेजाजी महाराज का जन्मदिवस मनाया गया। परिषद के भाग संयोजक गगन चौधरी ने बताया कि नेशनल हाईवे पर मावलियों की ढाणी के पास स्थित वीर तेजाजी सर्किल पर कार्यकर्ताओं ने लोक देवता वीर तेजाजी महाराज के छाया चित्र पर पुष्प अर्पित कर धर्म रक्षक, सत्यवादी वीर तेजाजी महाराज के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने की अपील की। इस अवसर पर अनमोल चौधरी, प्रीतम बलारा, मोहित गुर्जर, सफ़राज जाजोद, रामदयाल चौधरी, अभिषेक, सुमित तँवर, कमलेश, वंश बलारा, विजय अलखपुरा, नितिन, युवराज, हिमांशु, योगेश, राहुल, प्रियांशु, सोनू,प्रदीप, अमित सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुंडनवाड़ा में फॉर्च्यूनर गाड़ी पर फायरिंग, मोबाइल लूटकर फरार हुए बदमाश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना उपखंड क्षेत्र के मुंडनवाड़ा जाट-बहरोड़ रोड पर गुरुवार सुबह एक सनसनीखेज वारदात हुई। अज्ञात बदमाशों ने एक फॉर्च्यूनर गाड़ी पर फायरिंग कर दी, जिससे उसके शीशे टूट गए। इसके बाद चालक से मोबाइल फोन लूटकर आरोपी मौके से फरार हो गए। गनीमत रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, हालांकि भिवानी निवासी रोहित चौधरी को हल्की चोट आई है। सूचना मिलते ही मुंडावर थाना प्रभारी रामनिवास मीणा पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने साक्ष्य जुटाने के साथ-साथ आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार गाड़ी में दो युवक स्थानीय और एक युवक हरियाणा के भिवानी का निवासी था। घायल युवक जयपुर में कैफे संचालित करता है और बुधवार को अपने दोस्त को शादी का निमंत्रण देने भिवानी गया था। गुरुवार सुबह जब वे गांव की ओर लौट रहे थे, तभी नदी के पास तिबारे में छिपे बदमाशों ने उन पर हमला कर दिया। थाना प्रभारी रामनिवास मीणा ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला लूटपाट का प्रतीत हो रहा है। वहीं फॉर्च्यूनर सवार युवकों द्वारा भी फायरिंग की बात सामने आई है, जिसकी जांच की जा रही है। पुलिस हर पहलू से मामले की जांच में जुटी है। वारदात के बाद एक चौंकाने वाली बात यह सामने आई कि बदमाश मोबाइल लूटकर ले गए, लेकिन कुछ दूरी पर एक दुकान पर वही मोबाइल रखकर चले गए। आशंका जताई जा रही है कि मोबाइल की लोकेशन ट्रेस होने से बचने के लिए ऐसा किया गया। मुंडनवाड़ा गांव के सरपंच दलीप यादव ने बताया कि सुबह फायरिंग की आवाज सुनते ही ग्रामीण घरों से बाहर निकल आए। अचानक हुई इस घटना से गांव में भय का माहौल है। सूचना फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

मनरेगा बचाओ अभियान: नीमराना में कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन, सरकार पर मजदूर हितों से खिलवाड़ का आरोप

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना - मनरेगा बचाओ अभियान के तहत गुरुवार को नगर कांग्रेस कार्यालय नीमराना में बैठक आयोजित कर केंद्र सरकार की नीतियों के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम नगर कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट वेदप्रकाश सैनी के नेतृत्व में संपन्न हुआ, जहां कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी कर सरकार के खिलाफ रोष जताया। एडवोकेट वेदप्रकाश सैनी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा योजना का नाम बदलकर वीबी जीरामजी किए जाने से मजदूरों के अधिकारों को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने मनरेगा को कानून का रूप देकर मजदूरों को रोजगार की गारंटी दी थी, जिसके तहत आवेदन करने पर 15 दिनों के भीतर काम उपलब्ध कराया जाता था, अन्यथा बेरोजगारी भत्ता दिया जाता था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पहले मनरेगा के तहत पूरा बजट केंद्र सरकार द्वारा वहन किया जाता था, जबकि अब 60 प्रतिशत हिस्सा केंद्र और 40 प्रतिशत राज्य सरकार पर डाल दिया गया है, जिससे योजना की मूल भावना प्रभावित हो रही है। सैनी ने कहा कि नाम परिवर्तन से अधिक जरूरी मजदूरों के अधिकारों की रक्षा करना है। यदि सरकार ने मजदूर हितों पर ध्यान नहीं दिया तो कांग्रेस बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होगी। बैठक में उपाध्यक्ष संजय कुमार यादव, किरण सामरिया, महावीर प्रसाद चर्खिया, सचिव जितेंद्र, नगर प्रवक्ता राजकुमार, जिला महासचिव राज गांधी पंचायती राज, मौजीराम यादव (जिला उपाध्यक्ष, राजीव गांधी पंचायती राज), श्योचंद उर्फ भरतरी, रामजस यादव, एडवोकेट रविंद्र सामरिया, एडवोकेट नोपेंद्र शर्मा, एडवोकेट वीर सिंह, एडवोकेट प्राणसुख सैनी, अशोक दौराता, एडवोकेट जितेंद्र सामरिया, प्रवीण यादव, ओमवीर फौजी, देवेंद्र कुमार सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस नेताओं ने सरकार से मनरेगा के मूल प्रावधानों को यथावत रखने और मजदूरों के अधिकारों की रक्षा करने की मांग की।

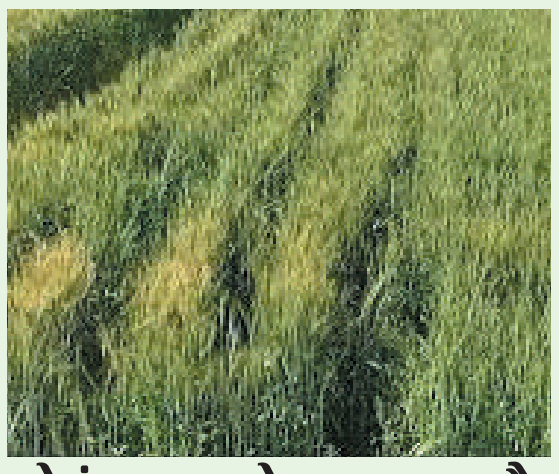

गेहूं का सबसे बड़ा दुश्मन है पाला, बचाव के लिए अभी अपनाएं ये आसान उपाय

शीतलहर और पाले से सर्दी के मौसम में रबी की सभी फसलों को नुकसान होता है. इसमें रबी की सबसे प्रमुख फसल गेहूं के लिए पाला को सबसे बड़ा दुश्मन माना जाता है. आइए आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिससे आप गेहूं की फसल को पाला से आसानी से बचा सकते हैं.

देश के अधिकांश हिस्सों में गेहूं की फसल अब बढ़वार की स्थिति में है. पौधों में अच्छी वृद्धि देखी जा रही है, लेकिन कई राज्यों में जबरदस्त पाला पड़ रहा है. बता दें कि, गेहूं की फसल का सबसे बड़ा दुश्मन पाला को माना जाता है. वहीं, अब धीरे-धीरे देश में शीतलहर को दौर जारी हो गया है, जो गेहूं की खेती करने वाले किसानों के लिए मुसीबत का सबब बनते जा रहा है. ऐसे में किसानों को अपनी फसल को सुरक्षित रखना बेहद जरूरी है. आइए आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिससे आप गेहूं की फसल को पाला से आसानी से बचा सकते हैं. साथ ही ये भी जान लेते हैं कि पाले से आखिर फसलों को क्या नुकसान होता है.

गेहूं को कितना हो सकता है नुकसान?

शीतलहर और पाले से सर्दी के मौसम में रबी की सभी फसलों को नुकसान होता है. इसमें रबी की सबसे प्रमुख फसल गेहूं के अलावा दलहन और तिलहन फसलों को जहां 80 से 90 फीसदी तक नुकसान हो सकता है. वहीं, गेहूं की फसल में 10 से 20 फीसदी तक नुकसान हो सकता है.

पाले से गेहूं को क्या नुकसान होता है?

कोशिकाएं फट जाती हैं : पाले में तापमान तेजी से गिरने लगता है, जिससे पौधों की कोशिकाओं में मौजूद पानी जम जाता है और कोशिकाएं फट जाती हैं जिससे पौधा कमजोर हो जाता है. पत्तियां झुलस जाती हैं : पाले के असर से गेहूं की पत्तियां पीली या सफेद पड़ जाती हैं, बाद में सूखकर जलने जैसी दिखती हैं.

फुटाव (टिलरिंग) रुक जाता है : अधिक ठंड के कारण पौधे की बढ़वार धीमी या बंद हो जाती है, जिससे फुटाव कम होता है और बालियां कम बनती हैं.

फूल और बालियों पर असर : यदि पाला बालियां निकलने या दाना बनने के समय पड़ जाए, तो दाने सिकुड़ जाते हैं या भराव ठीक से नहीं हो पाता है.

गेहूं की फसलों पर पाले का प्रभाव

ठंड के दिनों में पाले के प्रभाव से फल मरने लगते हैं और फूल झड़ने लगते हैं.

प्रभावित फसल का हरा रंग समाप्त हो जाता है और पत्तियों का रंग मिट्टी के रंग जैसा दिखता है.

ऐसे में पौधों के पत्ते सड़ने से बैक्टीरिया जनित बीमारियों का प्रकोप अधिक बढ़ जाता है.

पत्ती, फूल और फल सूख जाते हैं. फल के ऊपर धब्बे पड़ जाते हैं और स्वाद भी खराब हो जाता है.

पाले से प्रभावित फसल में कीटों का प्रकोप भी बढ़ जाता है.

पाले के कारण अधिकतर पौधों के फूलों के गिरने से पैदावार में कमी हो जाती है.

फसल को पाले से बचाने के उपाय

जब शीतलहर चलने लगे तब फसल में हल्की सिंचाई करें.

शाम के समय सूखी घास फूस और उपलों को जलाकर उसका धुआं करें.

हो सके तो फसल की पत्तियों पर पानी का छिड़काव करें.

वहीं 01 लीटर घुले गंधक के तेजाब को 1000 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ फसल पर छिड़काव करें.

ये छिड़काव 15 दिनों के अंतराल पर फिर दोहराएं.

इसके अलावा गेहूं को पाले से बचाने के लिए नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटेशियम का मिक्स डोज डालें.

खासकर फास्फोरस, जड़ों के विकास को मजबूत करने और ठंड सहने की क्षमता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है.

1. पाला क्या होता है और यह गेहूं के लिए क्यों खतरनाक है?

पाला तब पड़ता है जब तापमान तेजी से गिरने लगता है. इससे गेहूं की पत्तियां, बालियां और कोशिकाएं जम जाती हैं, जिससे फसल को नुकसान होता है.

2. गेहूं की फसल को पाले से सबसे ज्यादा नुकसान किस अवस्था में होता है?

टिलरिंग और बालियां निकलने की अवस्था में पाला सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाता है.

3. पाले के कारण गेहूं में कौन-कौन से लक्षण दिखते हैं?

पाले के कारण गेहूं की पत्तियां सफेद या पीला पड़ने और झुलसने लगती है. साथ ही बढ़वार रुक जाता है.

4. पाले से बचाव के लिए सबसे आसान और असरदार उपाय क्या है?

हल्की सिंचाई करें, क्योंकि नमी तापमान को संतुलित रखती है और पाले का असर कम करती है.

सब्जी की खेती में अपनाएं ये स्मार्ट तकनीक

खेती में असली मुनाफा वही किसान कमाते हैं जो बाजार की चाल समझकर फसल को सही समय पर बाजार ले आते हैं. उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड के कारण अक्सर किसान पिछड़ जाते हैं, जिससे सीजन के समय फसल के दाम गिर जाते हैं. नीचे एक ऐसी 'स्मार्ट तकनीक' के बारे में विस्तार से बताया गया है, जिसकी मदद से किसान कड़ाके की ठंड में भी सब्जियों की अगेती खेती कर सकते हैं। यह तकनीक न केवल बीजों को खराब होने से बचाती है, बल्कि मार्च-अप्रैल जैसे महंगे बाजार वाले महीनों में बंपर पैदावार देने का भरोसा भी देती है. कैसे इस स्मार्ट तकनीक के जरिए किसान अपनी खेती की लागत घटाकर कमाई को दोगुना कर सकते हैं और नर्सरी बेचकर भी लाखों का लाभ उठा सकते हैं। पूरी जानकारी दी गई है

छोटे किसानों के लिए अगेती खेती वरदान है. हमारे देश में 80 फीसदी से ज्यादा किसान छोटे और सीमांत वर्ग के हैं, जिनके पास एक से पांच एकड़ तक ही जमीन है. ऐसे किसानों के लिए कम जमीन से ज्यादा कमाई करने का सबसे अच्छा तरीका 'अगेती खेती' यानी समय से पहले फसल उगाना है. उत्तर भारत में जनवरी से 15 फरवरी तक कड़ाके की ठंड पड़ती है. इस दौरान रात का तापमान 8 डिग्री सेल्सियस से नीचे गिर जाता है, जिससे खुले खेत में सब्जी के बीज अंकुरित नहीं हो पाते. ज्यादातर किसान ठंड खत्म होने का इंतजार करते हैं और फरवरी के अंत में बुवाई करते हैं.

नतीजा यह होता है कि सबकी फसल अप्रैल-मई में एक साथ बाजार में आती है और दाम गिर जाते हैं. लेकिन जो किसान 'लो-टनल' तकनीक से जनवरी में ही टमाटर, मिर्च, बैंगन, खीरा, लौकी, करेला, तरबूज, खरबूज, चिरचिरा, और ककड़ी नर्सरी तैयार कर लेते हैं, उनकी फसल समय से पहले बाजार में आ जाती है. मार्च-अप्रैल में जब सब्जियों के दाम ऊंचे होते हैं, तब अगेती फसल बेचकर किसान सामान्य से कहीं ज्यादा मुनाफा कमा सकते हैं.

ठंड में भी जमाव, अपनाएं ये तकनीक

लो-टनल तकनीक एक छोटी पारदर्शी सुरंग की तरह होती है. भारतीय सब्जी अनुसंधान परिषद वाराणसी के पूर्व प्रिंसिपल साइंटिस्ट डॉ. सूर्य नाथ चौरसिया के अनुसार, इसे बनाने के लिए लोहे की पतली छड़ों या बांस की खपचियों का इस्तेमाल किया जाता है. इन्हें खेत में बेड के ऊपर 2-3 फीट ऊंची अर्धचंद्राकार आकृति में लगाया जाता है और फिर ऊपर से 20-30 माइक्रोन की पारदर्शी पॉलीथीन से ढंक दिया जाता है.

यह पॉलीथीन बाजार में आसानी से मिल जाती है. 10 हेक्टेयर खेत की रोपाई के लिए 1 मीटर चौड़ी और 10 मीटर लंबी सिर्फ एक लो-टनल काफी होती है.

अगेती सब्जी की खेती के लिए नर्सरी मंत्र

सबसे पहले खेत में 1 मीटर चौड़ी बेड बनाएं और बीजों को आधा से एक सेंटीमीटर की गहराई पर बोएं. किसान चाहें तो पॉली बैग या प्रो-ट्रे (जो बाजार में 35-40 रुपये में मिलती है) का इस्तेमाल भी कर सकते हैं. प्रो-ट्रे में मिट्टी और गोबर खाद का मिश्रण भरकर उसे लो-टनल के अंदर रख दें. इस सुरक्षित माहौल में टमाटर, मिर्च, खीरा, लौकी, करेला, तरबूज और खरबूज जैसे पौधों की नर्सरी मात्र 30 से 40 दिनों में तैयार हो जाती है.

यह तकनीक छोटे किसानों के लिए बहुत सस्ती है क्योंकि इसमें इस्तेमाल होने वाला सामान कई सालों तक काम आता है. जब पौधा शुरुआत से ही स्वस्थ और मजबूत होगा, तो फसल की पैदावार भी क्वालिटी वाली और उपज भी अधिक होगी.

स्मार्ट तरीके से प्रबंधन, मिलेगी हेल्दी पौध

लो-टनल के अंदर पौधों को सही पोषण देना जरूरी है. डॉ. चौरसिया सलाह देते हैं कि बीज जमने के बाद 'फर्टीगेशन' करें, यानी एनपीके खाद का हल्का घोल बनाकर एक दिन छोड़कर पौधों को दें. सिंचाई के लिए 'हजारा' का इस्तेमाल करें. एक जरूरी बात यह है कि अगर पॉलीथीन पर धूल जम जाए, तो उसे साफ करते रहें ताकि पौधों को पर्याप्त रोशनी मिले. दिन में जब धूप तेज हो, तो थोड़ी देर के लिए टनल के पर्दे खोल दें. इससे पौधों का 'कठोरीकरण' होता है, जिससे खेत में रोपाई के बाद पौधे मरते नहीं हैं और उनका विकास तेजी से होता है.

इस तकनीक का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इसमें बीजों का जमाव लगभग 100 प्रतिशत होता है. टनल के अंदर का गर्म तापमान पौधों की बढ़वार के लिए आदर्श होता है. पारंपरिक खेती के मुकाबले इसमें कीटों और बीमारियों का हमला भी बहुत कम होता है.

मिलेगी बंपर पैदावार और ऊंची कीमत

इस तकनीक का सबसे बड़ा फायदा यह है कि पौधे जल्दी तैयार होते हैं और उनमें कीट या बीमारियों का डर भी कम रहता है. जब आम किसान फरवरी-मार्च में बीज बोना शुरू करते हैं, तब लो-टनल अपनाने वाले किसान अपनी अगेती फसल बाजार में बेचने के लिए तैयार होते हैं. मार्च और अप्रैल के महीने में जब सब्जियों के दाम ऊंचे होते हैं, तब ये किसान मोटा मुनाफा कमाते हैं. अच्छी बात यह है कि बागवानी विभाग भी इस तकनीक को अपनाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित कर रहा है और लो-पॉली टनल बनाने पर अच्छी सब्सिडी भी दे रहा है.

किसान इस स्मार्ट तकनीक को अपनाकर अपनी आय को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं. अत : जो किसान स्मार्ट तरीके से खेती करना चाहते हैं या पौध बेचने का व्यापार शुरू करना चाहते हैं, उनके लिए लो-टनल तकनीक आज के समय की सबसे बेहतरीन और मुनाफे वाली तकनीक है.

इस समय चने की फसल में बड़े पैमाने पर कीटों का प्रकोप देखा जा रहा है. खासकर चने में लगने वाले फली छेदक (इल्ली) और कटुआ जैसे कीट और दीमक पौधों के फूल, फलियों और शुरुआती अवस्था में पौधों को गंभीर नुकसान पहुंचा रहे हैं. आइए जानते हैं बचाव के उपाय.

चने की फसल के लिए घातक हैं ये 3 कीट, बचाव के लिए अभी करें ये उपाय

रबी सीजन की प्रमुख दलहनी फसल चना देश के लाखों किसानों के लिए आमदनी का अहम जरिया होती है. अच्छी पैदावार की आस लगाकर किसान अपने खेतों में मेहनत करते हैं, लेकिन मौसम में उतार-चढ़ाव के साथ-साथ कीटों का बढ़ता प्रकोप इस फसल के लिए बड़ी चुनौती बन रहा है. खासकर चने में लगने वाले फली छेदक (इल्ली) और कटुआ जैसे कीट और दीमक पौधों के फूल, फलियों और शुरुआती अवस्था में पौधों को गंभीर नुकसान पहुंचाते हैं. कई बार समय रहते इन कीटों की पहचान और रोकथाम न की जाए तो किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है. ऐसे में आइए जानते हैं किसान चने की फसल में लगने वाले प्रमुख कीटों, उनके लक्षण और प्रभावी बचाव उपायों की पूरी जानकारी.

फली छेदक कीट के लक्षण

फली छेदक कीट चने के लिए अधिक हानिकारक माना जाता है. इसके वयस्क कीट को पतिंगा कहा जाता है. इस कीट के बच्चे अपना आहार चने के मुलायम तनों और पत्तियों को बनाते हैं. वहीं, जब पौधे में फली आने लगती है, तो फिर ये फली को छेदकर अंदर के दाने को खा जाते हैं. इस कीट के लगने पर 30-40 फीसदी तक पैदावार घट सकती है.

फली छेदक कीट से बचाव

चने की फली छेदक कीट से बचाव के लिए फेरोमोन ट्रैप (नर कीट पकड़ने के लिए), नीम आधारित कीटनाशक, और जैविक नियंत्रण (जैसे एनपीबी, मित्र कीट) अपनाएं, और फसल चक्र अपनाएं. इसके अलावा मित्र कीटों को बढ़ावा दें और सही समय पर छिड़काव करें, क्योंकि यह कीट फसल को बहुत नुकसान पहुंचाता है. साथ ही अगर कीटों की संख्या यदि बहुत बढ़ गई हो, और किसान तेजी से इसपर नियंत्रण चाहते हैं, तो वे इसके लिए रासायनिक कीटनाशकों का प्रयोग कर सकते हैं. इसके लिए इंडोसल्फान 35 ईसी या क्वीनालफ़ॉस 20 ईसी या क्लोरोपाइरीफ़ॉस 20 ईसी या प्रोफेनोफ़ॉस 50 ईसी का पानी के साथ घोल बनाकर उचित मात्रा में छिड़काव कर सकते हैं.

चने की फसल पर दीमक के लक्षण

चने की फसल में दीमक एक बहुत ही हानिकारक कीट है, जो बुवाई से लेकर कटाई तक फसल को नुकसान पहुंचा सकता है। यह विशेष रूप से सूखे या कम नमी वाले क्षेत्रों में ज्यादा नुकसान पहुंचाती है. दीमक के लगने पर प्रभावित पौधे पीले पड़कर मुरझाने लगते हैं और अंततः सूख जाते हैं. दीमक मुख्य रूप से जड़ और तने को अंदर से खाकर खोखला कर देती है. वहीं, दीमक लगने पर चने के उत्पादन में 30-60 फीसदी तक की गिरावट आ सकती है.

चने की फसल पर दीमक के बचाव

दीमक से बचाव के लिए किसानों को खेतों में पूरी तरह से सड़ी हुई खाद का प्रयोग करना चाहिए. जैविक नियंत्रण के तहत आप गड्ढे खोदकर उसमें विवेरिया वैसियाना नामक फफूंद स्पोर को ताजे गोबर में मिलाकर डाल दें. इसके अलावा अगर दीमक का बहुत ज्यादा प्रकोप बढ़ चूका हो तो इसके लिए आप रासयनिक नियंत्रण कर सकते हैं. इसके लिए किसानों को इंडोसल्फान 35 ईसी या क्लोरोपाइरीफ़ॉस 20 ईसी को उचित मात्रा में सिंचाई के जल के साथ या बालू में मिलाकर सिंचाई के पहले ही खेतों में छिड़कना चाहिए.

कटुआ कीट के जानें लक्षण

चने में कटुआ कीट लगने से पौधे जमीन की सतह से कट जाते हैं, जिससे फसल का अंकुरण रुक जाता है और उपज में भारी कमी आती है. वहीं, बात करें इसके लक्षण कि तो फसल में दानों का विकास रुक जाता है और फली खोखली हो जाती है. यह कीट रात में सक्रिय होकर पौधों को काटता है और दिन में मिट्टी के ढेलों के नीचे छिपे रहते है, जिससे आर्थिक नुकसान होता है.

कटुआ कीट बचाव के उपाय

चने को कटुआ कीट से बचाने के लिए खेत के चारों ओर सूरजमुखी जैसी फसल लगाएं, जो कीटों को आकर्षित करती हैं. इसके अलावा खेत में सूखी घास के ढेर बनाएं, ऐसे में कीट दिन में इनमें छिपेंगे, जिन्हें सुबह इकट्ठा करके नष्ट कर दें. वहीं, इसके वयस्क कीट रोशनी की ओर आकर्षित होते हैं, इसलिए लाइट ट्रैप लगाकर उन्हें पकड़ा जा सकता है. साथ ही नीम तेल जैसे जैविक कीटनाशकों का प्रयोग करें.

61 जोड़े बंधे दांपत्य सूत्र में, 350 से अधिक प्रतिभावान बेटियों का हुआ सम्मान

भावना मेघवाल मेमोरियल ट्रस्ट का बीसवां सामूहिक विवाह एवं प्रतिभा सम्मान समारोह संपन्न

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । केन्द्रीय कृषि, कृषक कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भावना मेघवाल मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा बीते दो दशकों से किया जा रहा सामूहिक कन्या विवाह का कार्य समाज के लिए प्रेरणादायी और अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार इन नवविवाहित बहनों के जीवन को संवारने में कोई कमी नहीं आने देगी और इन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। चौहान बुधवार को पॉलिटेक्निक कॉलेज मैदान में भावना मेघवाल मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा आयोजित बीसवें सामूहिक विवाह एवं प्रतिभा सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार महिला कल्याण को महायज्ञ के रूप में आगे बढ़ा रही है। बेटी को बोझ नहीं बल्कि समाज की शक्ति मानने की सोच को मजबूत किया जा रहा है।

बेटियों में भेदभाव नहीं हो, यही सशक्त समाज की पहचान

केन्द्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि समाज में बेटे और बेटी के बीच किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए। बेटी के जन्म पर भी उसी तरह खुशियां मनाई जानी चाहिए जैसे बेटे के जन्म पर मनाई जाती हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 1991 में विधायक बनने के साथ ही उन्होंने कन्याओं के विवाह का संकल्प लिया था, जो आज भी निरंतर जारी है। मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री रहते हुए लाखों बेटियों का विवाह सरकार द्वारा संपन्न कराया गया। उन्होंने लाड़ली लक्ष्मी योजना और लाड़ली बहना योजना का उल्लेख करते हुए बताया कि आज देश में तीन करोड़ से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। उन्होंने विवाह बंधन में बंधने वाली बेटियों से अपील की कि वे अपनी विवाह वर्षगांठ पर पौधारोपण करें और पर्यावरण संरक्षण में सहभागी बनें।

'आज मेरी 61 भांजियां विवाह बंधन में बंध रही हैं'

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल के प्रयासों से आज उनकी 61 भांजियां दांपत्य सूत्र में बंधी हैं। उन्होंने सम्मानित होने वाली प्रतिभावान बालिकाओं से समाज और देश के लिए सकारात्मक कार्य करने का आह्वान किया।

सामाजिक जीवन को सशक्त बना रहा ट्रस्ट का कार्य - अजय टम्टा

केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्यमंत्री अजय टम्टा ने कहा कि भावना मेघवाल मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा किया जा रहा यह पुनीत कार्य समाज में नए उत्साह का संचार करने वाला और सामाजिक जीवन को मजबूत करने वाला है। उन्होंने कहा कि दिवंगत भावना मेघवाल की स्मृति में किया जा रहा यह कार्य सदैव याद रखा जाएगा।टम्टा ने बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत गांव-गांव तक सड़क पहुंचाई जा रही है। बीकानेर-फलौदी और रायसिंहनगर-पूगल सड़क परियोजनाएं लगभग पूर्ण हो चुकी हैं। उन्होंने बीकानेर-सीकर और बीकानेर-कोटपूतली सड़क परियोजनाओं पर भी शीघ्र कार्य शुरू करने का आश्वासन दिया।

बीस वर्षों में 600 से अधिक बेटियों का विवाह- अर्जुन राम मेघवाल

केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बताया कि भावना मेघवाल मेमोरियल ट्रस्ट वर्ष 1999 से सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्य कर रहा है। वर्ष 2007 से अब तक ट्रस्ट द्वारा 599 बेटियों को सामूहिक विवाह के माध्यम से दांपत्य सूत्र में बांधा जा चुका है। उन्होंने लोकगीतों और कहावतों के माध्यम से बेटियों के सुखद भविष्य की कामना की।

350 से अधिक प्रतिभावान बेटियों को मिला सम्मान

ट्रस्ट से जुड़े रवि शेखर मेघवाल ने स्वागत उद्बोधन में बताया कि इस वर्ष 61 जोड़ों का सामूहिक विवाह कराया गया तथा 350 से अधिक प्रतिभाशाली बालिकाओं को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया। समारोह में भावना अवार्ड 2026 के तहत चार बालिकाओं को 51 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त सावित्री बाई फुले अवार्ड, संत गुरु रविदास अवार्ड, महर्षि नवल अवार्ड, बाबा लाधूनाथ अवार्ड, बाबा गाडगे अवार्ड, संत बगदाराम अवार्ड और रमा बाई अवार्ड सहित अनेक सम्मान प्रदान किए गए। सभी सम्मानित बालिकाओं को नकद राशि व प्रशस्ति पत्र दिए गए।

भावना दिग्दर्शिका का विमोचन

समारोह के प्रारंभ में अतिथियों ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर एवं दिवंगत भावना मेघवाल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर 'भावना दिग्दर्शिका' का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में भावना मेघवाल मेमोरियल ट्रस्ट की प्रधान ट्रस्टी पाना देवी मेघवाल, ट्रस्टी सुशीला वर्मा, पूर्व महापौर सुशीला कंवर, मेघवाल समाज के जिला अध्यक्ष त्रिलोक जयपाल, सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और आमजन उपस्थित रहें।

द बौहराज स्कूल के राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर चयनित 19 खिलाड़ियों को विधायक राजेन्द्र व एसडीएम ने किया सम्मानित

पूर्व चेयरमैन प्रेमदेवी बोहरा ने जताया विधायक व उपखंड अधिकारी का आभार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.महुवा।

मनोज खंडेलवाल । उपखंड मुख्यालय के रामगढ़ रोड स्थित द बौहराज ग्लोबल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के लिए यह क्षण गौरव और सम्मान से भरा रहा, जब विद्यालय के राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर चयनित 19 प्रतिभावान खिलाड़ियों को राजकीय टीकाराम पालीवाल उच्च माध्यमिक विद्यालय के स्टेडियम में आयोजित उपखंड स्तरीय समारोह में प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि उपखंड अधिकारी मनीषा रेशम एवं महवा विधायक राजेंद्र मीणा द्वारा किए गए इस सम्मान से न केवल विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ा, बल्कि ग्रामीण अंचल की खेल प्रतिभाओं को नई पहचान भी मिली। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन व विद्यार्थियों की उपलब्धियों पर पूर्व चेयरमैन प्रेमदेवी बोहरा ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विधायक राजेन्द्र एवं उपखंड अधिकारी का आभार जताया और इसे क्षेत्र के लिए प्रेरणास्पद बताया। समारोह में राष्ट्रीय स्तर पर विद्यालय का प्रतिनिधित्व करने वाली टीम में कप्तान कृतिका मीणा सहित दीपिका मीणा, मधु सैनी, अर्पिता, मानसी मीणा व दीपिका मीणा शामिल रहीं, जिन्होंने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से विद्यालय और महवा क्षेत्र का नाम ऊंचा किया। वहीं राज्य स्तर पर विभिन्न खेलों में चयनित खिलाड़ियों में कबड्डी की मोनिका, योगिता शर्मा, खो-खो के नैतिक मीणा व विष्णु मीणा, मानसी कटारा, साक्षी, हर्षिता, शिव सिंह नरूका, यशवर्धन सिंह, रग्बी फुटबॉल के हिमांशु मीणा, सुमित पांडेय, आदित्य शर्मा तथा बैडमिंटन के लवलेश मीणा शामिल रहे। इन सभी खिलाड़ियों की उपलब्धियों ने यह सिद्ध किया कि ग्रामीण परिवेश में भी समर्पण, अनुशासन और सही मार्गदर्शन से राष्ट्रीय स्तर की प्रतिभाएं तैयार हो सकती हैं। कार्यक्रम में विधायक राजेंद्र मीणा व उपखंड अधिकारी सुश्री मनीषा रेशम ने विद्यार्थियों को निरंतर मेहनत, अनुशासन और खेल भावना के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया और कहा कि ऐसे सम्मान समारोह खिलाड़ियों को नई ऊर्जा देते हैं। इस अवसर पर विद्यालय निदेशक विनय बौहरा, सह-निदेशक विकास बौहरा, संरक्षक गौपुत्र अवधेश अवस्थी, प्राचार्य राजेश पुनीत, उप-प्राचार्या श्वेता राणा नेगी सहित विद्यालय परिवार की सक्रिय भूमिका रही। समारोह में सभी विभागाध्यक्ष, पीटीआई सुरेंद्र, मनोज सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं, सहायक कर्मचारी व बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

पालड़ीवाला आईटीआई में क्लाउड कम्प्यूटिंग पर सेमिनार आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

पालड़ीवाला आईटीआई में गुरुवार को COPA ट्रेड के प्रशिक्षार्थियों के लिए क्लाउड कम्प्यूटिंग विषय पर एक ज्ञानवर्धक सेमिनार का सफल आयोजन किया गया। सेमिनार स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, मोदी यूनिवर्सिटी तथा अमेज़न क्लाउड क्लब के सहयोग से आयोजित की गई।सेमिनार का उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी, विशेषकर क्लाउड कम्प्यूटिंग के क्षेत्र में नवीनतम ज्ञान, अवसरों एवं उद्योग से जुड़ी जानकारियाँ प्रदान करना था। सेमिनार में मोदी यूनिवर्सिटी की टीम ने विद्यार्थियों के साथ अपने अनुभव साझा किए तथा क्लाउड टेक्नोलॉजी में करियर की संभावनाओं पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम में मोदी यूनिवर्सिटी से पी.के. बिश्नोई फैकल्टी सदस्य, डॉ. विनोद मान फैकल्टी सदस्य, सुश्री वैष्णवी शर्मा क्लाउड कैप्टन छात्रा, सुश्री श्वेता महतो छात्रा एवं सुश्री तनिष्का शर्मा छात्रा ने सक्रिय रूप से सहभागिता की। सेमिनार के दौरान राकेश मालवीय प्राचार्य, पालड़ीवाला आईटीआई द्वारा मोदी यूनिवर्सिटी की टीम को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया तथा उनके द्वारा विद्यार्थियों के लिए इस उपयोगी एवं प्रेरणादायक सत्र के आयोजन हेतु आभार व्यक्त किया गया। प्राचार्य ने अपने वक्तव्य में कहा कि ऐसे शैक्षणिक एवं तकनीकी कार्यक्रम विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मंडावर में पालिका प्रशासक (एसडीएम) की अध्यक्षता में आयोजित हुआ जनता दरबार

स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 की रणनीति तय,नियमों के पालन पर सख्ती के संकेत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 में बेहतर रैंकिंग सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नगरपालिका मंडावर ने तैयारियों को गति दे दी है। इसी क्रम में गुरुवार 29 जनवरी 2026 को प्रातः 11 बजे नगरपालिका कार्यालय परिसर में नगरपालिका प्रशासक एवं उपखंड अधिकारी मंडावर की अध्यक्षता में स्वच्छता को केंद्र में रखते हुए जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में निकाय क्षेत्र की साफ-सफाई, सौंदर्यीकरण, कचरा संग्रहण व्यवस्था, प्लास्टिक प्रतिबंध और आम नागरिकों की भागीदारी जैसे अहम विषयों पर गंभीर, व्यावहारिक और लक्ष्य आधारित चर्चा की गई, ताकि स्वच्छता सर्वेक्षण में मंडावर नगरपालिका को मजबूत स्थिति में लाया जा सके। जनता दरबार को संबोधित करते हुए नगरपालिका प्रशासक अमित वर्मा एवं कार्यवाहक अधिशासी अधिकारी तथा नायब तहसीलदार बैजूपाड़ा प्रकाशचंद मीणा ने स्पष्ट किया कि शहर की स्वच्छता केवल नगरपालिका की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें व्यापारियों और आम नागरिकों की सक्रिय सहभागिता अनिवार्य है। उन्होंने नियमित कचरा संग्रहण प्रणाली को प्रभावी बनाने, सार्वजनिक स्थलों के सौंदर्यीकरण तथा प्लास्टिक के उपयोग पर सख्त नियंत्रण को प्राथमिकता के साथ लागू करने का निर्णय लिया। अधिकारियों ने कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण मात्र रैंकिंग तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि यह शहर के स्वास्थ्य, पहचान और भविष्य से सीधा जुड़ा हुआ अभियान है। इस जनता दरबार में मंडावर शहर के सभी व्यापार मंडलों के अध्यक्ष, नगरपालिका कार्यालय के वरिष्ठ सहायक मुरारीलाल सैनी, एसबीएम इंजीनियर कुलदीप चतुर्वेदी सहित समस्त कार्यालय स्टाफ उपस्थित रहा। बैठक में सर्वसम्मति से यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया कि कोई भी व्यापारी अपने प्रतिष्ठान का सामान नगरपालिका के नालों अथवा सार्वजनिक स्थानों के आगे नहीं रखेगा। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर राजस्थान नगरपालिका नियम 2009 के अंतर्गत संबंधित के खिलाफ आवश्यक एवं सख्त कार्रवाई की जाएगी।

श्री श्याम मानव सेवा संस्थान, बुहाना को मिला राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार 2026

मानव सेवा और सामाजिक समर्पण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों को मिली राष्ट्रीय पहचान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2026 के पावन अवसर पर राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, जयपुर में 'राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार 2026' का भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस गरिमामय कार्यक्रम में देशभर से चयनित समाजसेवियों, संस्थानों और प्रेरक व्यक्तित्वों को शिक्षा, स्वास्थ्य, मानव सेवा और सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर श्री श्याम मानव सेवा संस्थान, बुहाना को मानव सेवा, सामाजिक सम्पर्पण और जनकल्याण के क्षेत्र में निरंतर किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों के लिए राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार 2026 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान संस्थान के निदेशक संदीप कुमार एवं सेंटर इंचार्ज पिंकी सैनी ने मंच पर ग्रहण किया।

कठोर चयन प्रक्रिया के बाद मिला सम्मान

राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार के लिए चयन प्रक्रिया एक विशेष और स्वतंत्र पैनल द्वारा संपन्न की गई, जिसमें सेवानिवृत्त सेना अधिकारी एवं वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी शामिल थे। पैनल ने प्रत्येक नामांकन का गहन अध्ययन करते हुए संस्थानों की सेवा गतिविधियों, सामाजिक प्रभाव और निरंतर योगदान का विस्तृत मूल्यांकन किया। इसी कड़ी में श्री श्याम मानव सेवा संस्थान को इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए चयनित किया गया।

सेवा को बताया प्रेरक अभियान

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वाईएसएस फाउंडेशन इंडिया के अध्यक्ष कमल चौधरी ने कहा कि 'यह केवल एक पुरस्कार नहीं, बल्कि समाज सेवा के प्रति समर्पित लोगों के लिए एक प्रेरक अभियान है। यदि सेवा की भावना सच्चे मन से की जाए, तो हर व्यक्ति इस सम्मान को प्राप्त कर सकता है।'

मानव सेवा ही माधव सेवा का संदेश

श्री श्याम मानव सेवा संस्थान ने दोहराया कि 'मानव सेवा ही माधव सेवा है' के संकल्प के साथ संस्थान भविष्य में भी समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा।

ट्रॉफी, मेडल और मंचीय सम्मान से नवाजा गया

सम्मान समारोह के दौरान सभी विजेताओं को ट्रॉफी, मेडल, प्रमाण पत्र, फोटो सेशन और मंचीय सम्मान प्रदान किया गया। श्री श्याम मानव सेवा संस्थान के लिए यह क्षण गर्व और सम्मान से भरा रहा, जिसने बुहाना क्षेत्र का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया।

संस्थान की उपलब्धि पर हर्ष का माहौल

राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार मिलने पर श्री श्याम मानव सेवा संस्थान से जुड़े कार्यकर्ताओं, सहयोगियों और क्षेत्रवासियों में हर्ष और गर्व का माहौल है। संस्थान द्वारा वर्षों से जरूरतमंद, असहाय और वंचित वर्ग के लिए किए जा रहे सेवा कार्यों को इस सम्मान ने नई पहचान दी है। संस्थान निदेशक संदीप कुमार ने इस अवसर पर कहा कि यह सम्मान पूरे संस्थान की टीम, सहयोगियों और भामाशाहों की मेहनत का परिणाम है। उन्होंने कहा कि 'यह पुरस्कार हमें और अधिक समर्पण और ऊर्जा के साथ मानव सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।'

श्रीनाथजी सेवा दल सिलवासा के भक्तों ने श्रीनाथजी का आश्रम बऊ धाम में गायों के लिए भेंट किए 21 लाख से अधिक रुपए

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

श्रीनाथजी सेवा दल सिलवासा के भक्त सदस्यों की ओर से बऊ धाम श्रीनाथजी का आश्रम में गायों के लिए 21 लाख रुपए से अधिक की आर्थिक सहायता की गई है। यह जानकारी देते हुए भाजपा नेता अमित शर्मा ने बताया कि श्रीनाथजी सेवा दल सिलवासा के प्रतिनिधि मंडल ने गुरुवार को आश्रम पहुंच कर 11लाख 41 हजार रुपए आश्रम के संत ओमनाथ जी महाराज को भेंट किए जबकि पिछले वर्ष 2025 में 19 दिसंबर को भी प्रतिनिधि मंडल ने 11लाख रुपए का आर्थिक सहयोग प्रदान किया। सिलवासा से आए प्रतिनिधि मंडल के सदस्य विकास शर्मा, राकेश चांदोलिया बलारां, सुभाष पारीक, सुभाष ख्यालिया, जगदीश जाखड़, अमित दाधीच, अशोक तिवारी, सत्येन्द्र राय ने गुरुवार को आश्रम पहुंच कर पूर्व सांसद स्वामी सुमेधानंद सरस्वती के सानिध्य में एवं भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज बाटड़, पूर्व चेयरमैन भाजपा नेता दिनेश जोशी, भाजपा जिला प्रवक्ता अमित शर्मा बलारां,शहर भाजपा अध्यक्ष ललित पंवार भाजपा नेता जयप्रकाश सरावगी, रामावतार ब्यास बलारां, विमल जोशी,अर्जुन कोटवाल, कमल सैन की उपस्थिति में आश्रम के संत ओमनाथ जी महाराज को सहयोग राशि भेंट की। इस दौरान सिलवासा से आएं प्रतिनिधि मंडल एवं उपस्थित जनों ने समाधि पर धोक लगाकर मंगल कामना कर महाराजश्री से आशीर्वाद लिया । इस अवसर सिलवासा से आए प्रतिनिधि मंडल ने भाजपा नेताओं का शाल ओढ़ाकर स्वागत किया।

लक्ष्मणगढ़ के युवा ज्योतिषाचार्य पंडित गुंजन जोशी को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने ज्योतिष व वास्तुशास्त्र में किया सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

युवा ज्योतिषाचार्य लक्ष्मनगढ हाल दिल्ली निवासी गुंजन जोशी सुपुत्र पंडित रामबिलास जोशी को ज्योतिष एवं वास्तु शास्त्र विद्या के लिए उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने श्री चक्र से सम्मानित किया। युवा ज्योतिषाचार्य को देहरादून में आयोजित विशेष कार्यक्रम के दौरान उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किए जाने पर पारिवारिक सदस्यों,उनके शुभचिंतकों, समर्थकों, सहयोगियों ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए बधाई दी है।र, कमलेश, वंश बलारा, विजय अलखपुरा, नितिन, युवराज, हिमांशु, योगेश, राहुल, प्रियांशु, सोनू,प्रदीप, अमित सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जीवन सुरक्षा व जन जागरुकता कार्यक्रम आयोजित, विधार्थियों को सुरक्षा सावधानियों को लेकर किया जागरूक

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । वार्ड नंबर 17 स्थित बाल भारती शिक्षण संस्थान में वंश फाउंडेशन व झुंझुंनू जागृति मंच के संयुक्त तत्वावधान में जीवन सुरक्षा व जन जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान रामगोपाल महमिया ने विधार्थियों को जीवन सुरक्षा के महत्व, रोजमर्रा के जीवन में सुरक्षा के लिहाज से बरती जाने वाली जरुरी सावधानियों की विस्तार से जानकारी दी। वंश फाउंडेशन के सचिव रमाकांत पारीक ने दुर्घटना में घायल लोगों की मदद करते हुए तुरंत अस्पताल पहुंचाने पर जोर देते हुए जीवन रक्षा शपथ दिलवाई। पर्यावरण एवं जागृति संस्थान के संजय शर्मा ने अधिक से अधिक पौधारोपण करने की बात कही। इस मौके पर निदेशक राजेंद्र सनोदिया, राकेश मीणा, अशोक कुमार, कमलेश कुमार, पल्लवी मिश्रा, नेहा सनोदिया, उमा पाराशर, कोमल जांगिड़, उषा सैनी, नीलेश, राकेश कुमार पूनम मारवाल, पायल चावला, कोमल जांगिड़ सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहें।

भीम प्रज्ञा कविता

वहः जो अधूरी नहीं

वह एक बिंदु है,
जिसमें पूरा वृत्त समाया है।
न उसे शुरुआत की तलाश है,
न अंत का भय।

वह प्यास भी है,
और स्वयं बहती नदी भी।
उसे किनारों की ज़रूरत नहीं,
क्योंकि उसकी गहराई ने
आकाश को भीतर बाँध रखा है।

जब वह खाली दिखती है,
तथाकथित 'अधूरापन' ओढ़े,
तब दरअसल वह
एक मौन ब्रह्मांड बुन रही होती है।

वह किसी का आधा हिस्सा नहीं,
वह वह शून्य है–
जिसके होने से ही
अंकों का अस्तित्व शुरू होता है।

वह स्वयं में एक समूची लय है,
जिसे किसी राग की बैसाखी नहीं चाहिए।
वह पूर्ण है,
ठीक वैसे ही जैसे–
अँधेरे के हृदय में
अदृश्य उजाला पूर्ण होता है

- क्षमा राव, मुंबई कवयित्री

इनाम पाकर छात्रों के चेहरे खिले, मेहनत को मिला सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लाखेरी।

विष्णु प्रसाद बैरवा । राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दौलतपुरा में गणतंत्र दिवस समारोह के पश्चात आयोजित पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में विद्यार्थियों को उनकी प्रतिभा, अनुशासन व परिश्रम के लिए सम्मानित किया गया। पुरस्कार पाकर छात्रों के चेहरों पर खुशी और आत्मविश्वास की झलक साफ दिखाई दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती कृष्णा कुमारी गुप्ता ने की। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि 'पुरस्कार विद्यार्थियों को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं, इससे उनमें स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और आत्मबल का विकास होता है।' विद्यालय परिवार द्वारा शैक्षणिक, सांस्कृतिक व खेलकूद गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ के सभी सदस्यों का सक्रिय सहयोग रहा। कार्यक्रम में पवन कुमार सलोदिया , दौलत राम मीणा, सीता राम गुर्जर, पप्पू लाल मीणा, महेश मीणा, गोपाल महावर, शीला मंगल, उमा शर्मा, यादवेन्दु शर्मा, संतोष कुमार, टिंकू मीणा, मोहित मीणा, जगदीश प्रसाद मीणा, रामस्वरूप मीणा, कमरुद्दीन खान एवं सुमित्रा मीणा सहित समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित रहें। कार्यक्रम के अंत में छात्रों को निरंतर मेहनत करने, अनुशासन में रहकर लक्ष्य प्राप्त करने का संदेश दिया गया। पुरस्कार वितरण समारोह विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी और उत्साहवर्धक सिद्ध हुआ।

जिला पुलिस अधिक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय ने किया मंडावा थाने का निरीक्षण

क्षेत्र की गतिविधियो ओर समस्याओ से हुए रूबरू, मंडावा थानाधिकारी रामनारायण चोयल को दिए आवश्यक दिशा निर्देश

सीएलजी, ग्राम रक्षक, सुरक्षा सखी, अधिकारियों व आमजन के साथ की बैठक

अपराध पर अंकुश लगाने व लंबित मामलो के शिघ्र निस्तारण के दिए निर्देश

हवालात,बैरक,एचएम कार्यालय,मालखाना,मैस सहित अन्य व्यवस्थाओ को किया निरीक्षण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । जिला पुलिस अधीक्षक बृजेश ज?योति उपाध?याय आई पी एस ने गुरुवार को पुलिस थाना मण्डावा का निरीक्षण किया। पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय ने थाना परिसर, एचएम कार्यालय, मालखाना, महिला डेस्क, बैरिक, हवालात, मैस सहित अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर रिकॉर्ड देखा। इस दौरा एसपी उपाध्याय ने कमियों को दुरस्त करने, थाने में सभी कार्य कुशलतापूर्वक किए जाने, अधिकारी/कार्मिकों को मुस्तैदी से ड्यूटी करने एवं अनुशासन बनाये रखने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये । इस मौके पर वृताधिकारी वृत झुन्झुनू ग्रामीण हरिसिंह धायल

आरपीएस व थानाधिकारी पुलिस थाना मण्डावा रामनारायण चोयल पु.नि. मौजूद रहे। पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय ने थाना परिसर पर सीएलजी, ग्राम रक्षक, सुरक्षा सखी सदस्यों व आमजन के साथ बैठक करते हुए जनसुनवाई की। इस मौके पर आमजन द्वारा पेश समस्याओं और शिकायतों को पुलिस अधीक्षक द्वारा भीरतापूर्वक सुना गया। प्राप्त समस्याओं/शिकायतों का निस्तारण का प्रयास किया गया एवं शिकायतों के त्वरित, निष्पक्ष एवं न्यायोचित जांच कर गुणवत्तापूर्ण विधिक निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये गये। वर्तमान में तेजी से बढ़ रहे साईबर अपराध के संबंध मे जागरूक किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना पर अपराध की स्थिति की समीक्षा की जाकर अपराध पर अंकुश लगाने तथा लंबित मामलों की शीघ्र जांच पूर्ण करने के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये गये। महिलाओं और बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों पर भी विशेष ध्यान देने पर जोर दिया एवं ऐसे अपराधों की रोकथाम के लिए कड़े कदम उठाए जाने और पीड़ितों को त्वरित सहायता प्रदान करने के निर्देश दिये। बदमाशों और असामाजिक तत्वों एवं किसी भी प्रकार के अवैध कारोबार जैसे नशीले पदार्थ, जुआ, सट्टा, आबकारी, आर्म्स के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए भी उपायों पर चर्चा करते हुए यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिये।

गंदे पानी से निजात ओर सड़क को दुरूस्त करने की मांग को लेकर मंडावा एसडीएम को दिया ज्ञापन

क्षतिग्रस्त सड़क पर राहगीरो ओर वाहन चालको को उठानी पड़ रही है दिक्कते

सड़क किनारे खुले पड़े पानी निकासी के नाले हादसो को दे रहे है न्यौता

पुर्व में भी कई हो चुके है बड़े हादसे लेकिन प्रशासन समस्या को लेकर नही है गंभीर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । कस्बे में मंडावा से बिसाउ जाने वाले मुख्य मार्ग पर बनी विकट समस्याओ को लेकर स्थानीय ओर ग्रामीण क्षेत्र के लोगो ने अपनी मांग को लेकर एसडीएम मुनेश कुमारी को ज्ञापन दिया। ज्ञापन के अनुसार कस्बे में बिसाउ चौराहे से लेकर हाईवे पर बने पुल तक सड़क पुरी तरह से क्षतिग्रस्त होकर जगह जगह बड़े बड़े गड्ढे बनचुके जो आये दिन हादसो को न्यौता दे रहे है। वही सड़क के किनारे गंदे पानी की निकासी के लिए बने नाले भी लोगो के लिए परेशानी का कारण बन रहे है। खेले पड़े नालो में कई बार हादसे हो चुके है लेकिन स्थानीय प्रशासन की लापरवाही ओर उदासीनता पर कोई गंभीरता नही है। लोगो ने मांग करते हुए बताया कि गंदे पानी से निजात ओर क्षतिग्रस्त सड़क को शिघ्र दुरूस्त किया जावे जिससे कोई ओर बड़ा हादसा ना हो। बिसाउ चौराहे से हाईवे पर बने पुल

तक सड़क पुरी तरह से टूटी हुई है जिससे राहगीरो ओर वाहनो चालको को काफी दिक्कते उठानी पड़ रही है। सड़क पर बने गड्ढो से आये दिन हादसे हो रहे है। पुर्व में भी खुले पड़े नालो व एकत्रित गंदे पानी में कई हादसे हो चुके है लेकिन प्रशासन अभी तक नही गंभीर हुआ है। इस अवसर पर अयूब खत्री, अमित मीणा बाजीसर, अफजल कुमार, आबिद खोखर, वसीम चौहान, मुबारिक मो., सोयब, फहरान सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

कै बाबो हिदुआ पीर कहलाऔ, रूणेचा नगर बसायों पर खूब झूमे श्रद्धालु

जम्मा जागरण का शुभारंभ जिला भाजपा उपाध्यक्ष जगदीश राय व समिति प्रधान रमेश जोइया ने संयुक्त रूप से किया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद/टोहाना।

रजत विजय रंगा । श्री बाबा रामदेव सेवा समिति शक्ति नगर की ओर से माघ माह की बड़ी चांदनी दशमी के उपलक्ष्य में बाबा रामदेव महाराज का अर्धवार्षिक जम्मा-जागरण समिति परिसर में आयोजित किया गया। जम्मा जागरण का शुभारंभ जिला भाजपा के उपाध्यक्ष एवं अपीलीय ऑथोरिटी के सदस्य जगदीश राय शर्मा व समिति प्रधान रमेश जोइया ने संयुक्त रूप से बाबा रामदेव महाराज की पावन व सांची जोत प्रज्जवलित करके किया। ज्योत प्रज्वलित होते ही श्रद्धालुओं ने बाबा रामदेव महाराज की महिमा में खूब जयकारे लगाकर आसपास के माहौल को धार्मिकमय कर दिया। श्रद्धालुओं ने जोत के दर्शन कर माथा टेका और मन्नतें मांगी। जम्मा जागरण में पधारे बाबा रामदेव महाराज के कथावाचक एवं जम्मा गायक भगत रोहताश और जम्मा गायक जय सिंह दौलतपुरियां ने बाबा रामदेव महाराज की महिमा में भजनों की गंगा प्रवाहित की। उनके द्वारा गाए गए अरे रूणझूण बाजे घूंघरा, छम्म छम्म बाजे घूंघरा, नीले री असवारी आवे, आवे रामा

पीर, रामा कहूं के रामदेव, हीरा कहूं के लाल, जाने मिलया रामदेव तो बाने कीन्या नेहाल, कै बाबा हिंदुआ पीर कहलाऔ, रूणेचा नगर बसायो, चोखी घड़िया में आ गयो तंदूरा रा तार बजाए गयो आदि भजनों पर श्रद्धालुओं ने खूब झूमें। समिति की ओर से मुख्य अतिथि जगदीश राय शर्मा को सम्मानस्वरूप शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर समिति प्रधान रमेश जोइया, रामनिवास शर्मा, जोनी गहलोत, राजकुमार सैनी, राकेश जोइया, बनवारी लाल गहलोत, सुरेंद्र डींगवाल, चतर सिंह, शम्मी रत्ति, आर्यन आहुजा, मनोज चायल, किशन लाल चौहान, राधेश्याम चायल, विरेन्द्र बाली मित्तल, हरीश गहलोत, कमलकांत डाबी, पुजारी सोनू शर्मा, जश्न सेठी, हार्दिक आहुजा, नंद लाल वर्मा, ओमप्रकाश मोंगा आदि मौजूद रहें।

नशा मुक्ति अभियान को लेकर फतेहाबाद पुलिस की सशक्त पहल

नशा मुक्ति टीम ने संस्थाओं, जनप्रतिनिधियों व किसानों के साथ की गोष्ठियां, पीड़ितों को उपचार व काउंसलिंग उपलब्ध

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में जिले में नशा मुक्त समाज के निर्माण की दिशा में लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में एसआई सुंदर के कुशल नेतृत्व में नशा मुक्ति टीम फतेहाबाद द्वारा व्यापक स्तर पर जनसंपर्क, निगरानी एवं उपचार से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की गईं, ताकि नशा पीड़ितों तक सही समय पर सहायता पहुंचाई जा सके और समाज को इस अभियान से जोड़ा जा सकें। नशा मुक्ति टीम द्वारा ड्रग पीड़ितों को सिरिंज उपलब्ध करवाने वाली अधिकृत संस्था शांति युवा मंडल के

कार्यालय का निरीक्षण किया गया। इस दौरान संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर एवं स्टाफ के साथ गोष्ठी आयोजित कर संस्था का समस्त रिकॉर्ड चेक किया गया। टीम द्वारा यह सुनिश्चित किया गया कि सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुसार किए जा रहे हैं। साथ ही संस्था को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, ताकि नशा पीड़ितों को सुरक्षित, पारदर्शी एवं जिम्मेदार तरीके से सेवाएं प्रदान की जा सकें। इसके उपरांत रतिया रेस्ट हाउस में रतिया मंडल के सरपंचों के साथ तथा अनाज मंडी में भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के पदाधिकारियों के साथ अलग-अलग गोष्ठियां आयोजित की गईं। इन बैठकों में उपस्थित जनप्रतिनिधियों व किसान नेताओं को नशा मुक्ति मिशन में सक्रिय सहयोग देने के लिए प्रेरित किया गया। उन्हें अपने-अपने क्षेत्रों में जागरूकता फैलाने, नशा पीड़ितों की पहचान कर उन्हें उपचार के लिए आगे लाने तथा युवाओं को नशे से दूर रखने में सहयोग करने का आह्वान किया गया। इसके अतिरिक्त नागरिक अस्पताल एवं सीएचसी रतिया में पूर्व चिन्हित ड्रग पीड़ितों को दाखिल करवाया गया, ताकि उन्हें चिकित्सकीय देखभाल उपलब्ध हो सके। वहीं गुरुसर के 02, चीमो के 01 तथा अहरवा के 01 सहित कुल 04 ड्रग पीड़ितों को चिन्हित कर काउंसलिंग करवाई गई। काउंसलिंग उपरांत इन पीड़ितों को आयुर्वेदिक दवाएं भी उपलब्ध करवाई गईं, जिससे वे नशे से दूर होकर स्वस्थ जीवन की ओर अग्रसर हो सकें। फतेहाबाद पुलिस द्वारा स्पष्ट किया गया कि नशा मुक्ति अभियान के तहत आगे भी इस प्रकार की गतिविधियां निरंतर जारी रहेंगी और समाज के हर वर्ग को जोड़कर नशा मुक्त जिला बनाने की दिशा में ठोस प्रयास किए जाते रहेंगे।

बाल अधिकारिता विभाग की त्रैमासिक बैठक में शिशु पालना गृह के पोस्टर का विमोचन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

बाल अधिकारिता विभाग की त्रैमासिक बैठक गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलक्टर डॉ अरुण गर्ग की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में जिला कलक्टर ने त्रैमासिक अवधि में विभिन्न विभागों द्वारा बाल कल्याण के क्षेत्र में किए गए कार्यों की समीक्षा की तथा बच्चों से संबंधित प्रकरणों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने बाल श्रम, बाल भिक्षावृत्ति एवं बाल तस्करी से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता बरतते हुए ऐसे बच्चों की पहचान कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर शिशु पालना गृह के प्रचार-प्रसार हेतु विशेष रूप से तैयार किए गए पोस्टर का विमोचन भी जिला कलक्टर द्वारा किया गया। पोस्टर विमोचन के दौरान जिला कलक्टर अरुण गर्ग ने कहा कि नवजात शिशुओं का जीवन अनमोल है और किसी भी परिस्थिति में उन्हें असुरक्षित नहीं छोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने समाज को संदेश देते हुए कहा कि 'फेंके नहीं, हमें दें' की भावना को व्यापक स्तर पर पहुंचाया जाए, ताकि मजबूरीवश या सामाजिक कारणों से शिशु को छोड़ने की स्थिति में माता-पिता शिशु पालना गृह जैसी सुरक्षित एवं मानवीय व्यवस्था का उपयोग कर सकें। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रशासन द्वारा शिशु पालना गृह में शिशु सौंपने वालों की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी। बाल अधिकारिता

विभाग के सहायक निदेशक अरविन्द कुमार ओला ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में शिशु पालना गृह योजना पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि यह व्यवस्था नवजात शिशुओं के लिए सुरक्षित, गोपनीय एवं संवेदनशील है, जहां बिना किसी कानूनी भय के शिशु को सुरक्षित रूप से सौंपा जा सकता है। शिशु पालना गृह योजना का मुख्य उद्देश्य नवजात शिशुओं को परित्यक्त होने, कुपोषण, शोषण अथवा मृत्यु जैसे खतरों से बचाना है। यहां शिशुओं को तत्काल चिकित्सा सुविधा, पोषण, सुरक्षा एवं देखभाल उपलब्ध कराई जाती है तथा नियमानुसार उनके पुनर्वास की प्रक्रिया अपनाई जाती है। बैठक में यह निर्णय भी लिया गया कि शिशु पालना गृह से संबंधित जानकारी को आमजन तक पहुंचाने के लिए सरकारी कार्यालयों, अस्पतालों, आंगनबाड़ी केंद्रों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर पोस्टर एवं प्रचार सामग्री प्रदर्शित की जाएगी। बैठक में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, पुलिस विभाग, चिकित्सा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, राजकीय गृह, किशोर न्याय बोर्ड, पंचायती राज विभाग, स्काउट गाइड, अल्पसंख्यक विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

उमंग और उत्साह के साथ मनाया गया बेटी गार्वी का जन्मोत्सव, समाज में सकारात्मक संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । नगरपालिका क्षेत्र के नाघोड़ी गांव में नवजात बच्ची गार्वी, पुत्री हेमगंत यादव का गुरुवार को जन्मोत्सव उमंग और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम नगर कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट वेद प्रकाश सैनी के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने नवजात गार्वी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए परिवार को शुभकामनाएं दीं। वक्ताओं ने कहा कि बेटियां समाज की शक्ति हैं और उनके जन्म को उत्सव के रूप में मनाना सकारात्मक सोच का प्रतीक है। इस तरह के आयोजन समाज में बेटियों के प्रति सम्मान और समानता का संदेश देते हैं। कार्यक्रम में नगर उपाध्यक्ष संजय कुमार यादव, शेरसिंह जांगिड़, नगर प्रवक्ता राजकुमार (राजीव गांधी पंचायती राज), अमन जांगिड़, रामजस यादव, बच्ची के दादा संतोष यादव, दादी निर्मला देवी, होशियार सिंह, ओमप्रकाश पंच, मनोज कुमार, राहुल यादव सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। परिवारजनों ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बेटी के जन्म को सम्मान और उत्सव के रूप में मनाया जाना समाज में सकारात्मक बदलाव का संकेत है।

30 जनवरी से 13 फरवरी तक चलेगा स्पर्श कुष्ठ जागरूकता पखवाड़ा

जिला कलक्टर का आमजन को संदेश- 'कुष्ठ रोगियों के प्रति भेदभाव मिटाएँ, गरिमा के साथ उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ें '

जिलेभर में होंगे जन-जागरूकता कार्यक्रम, ग्राम सभाओं से होगा सामाजिक भेदभाव पर प्रहार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से जिलेभर में 30 जनवरी से 13 फरवरी तक स्पर्श कुष्ठ जागरूकता पखवाड़ा संचालित किया जाएगा। कुष्ठ दिवस (30 जनवरी) से प्रारंभ होने वाले इस अभियान के अंतर्गत जिला, ब्लॉक एवं पंचायत स्तर तक कुष्ठ रोग निवारण एवं सामाजिक जागरूकता के लिए विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इस अवसर पर जिला कलक्टर डॉ अरुण गर्ग ने कुष्ठ रोग को लेकर आम नागरिकों के नाम संदेश जारी करते हुए कहा कि विकसित भारत अभियान के तहत जिले के समस्त नागरिक, अधिकारी एवं कर्मचारी एकजुट होकर यह संकल्प लें कि धौलपुर को कुष्ठ रोग मुक्त बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

उन्होंने कहा कि कुष्ठ रोग का समय पर निदान सरल है और इसका उपचार पूरी तरह संभव है। जिले में कुष्ठ रोग के सभी संभावित मामलों की शीघ्र पहचान कर उपलब्ध संसाधनों का पूर्ण उपयोग करते हुए रोग उन्मूलन का लक्ष्य प्राप्त किया जाएगा। जिला कलक्टर ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्ति एवं उनके परिवारजनों के साथ किसी भी प्रकार का सामाजिक भेदभाव स्वीकार्य नहीं है। समाज में फैली भ्रांतियों, कलंक एवं भेदभाव को समाप्त करने के लिए व्यक्तिगत और सामूहिक प्रयास किए जाएंगे, ताकि प्रभावित व्यक्तियों को सम्मान के साथ समाज की मुख्यधारा में जोड़ा जा सके। उन्होंने 'सभी कलंक का अंत, गरिमा का आलिंगन एवं भेदभाव के प्रति शून्य सहिष्णुता' का संकल्प लेने का आह्वान किया। सीएमएचओ डॉ छोटेलाल गुर्जर ने बताया कि स्पर्श कुष्ठ जागरूकता पखवाड़े के दौरान कुष्ठ दिवस पर ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा, जहां सरपंच ग्रामवासियों से कुष्ठ रोगियों के प्रति संवेदनशील व्यवहार एवं भेदभाव समाप्त करने की अपील करेंगे। ग्राम सभा में कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्तियों का ग्राम सभा प्रमुख द्वारा अभिनंदन भी किया जाएगा। साथ ही जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रश्नोत्तरी एवं संवादात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इस वर्ष स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान की थीम 'भेदभाव का अंत एवं गरिमा को सुनिश्चित करना' रखी गई है। नोडल अधिकारी एवं डिप्टी सीएमएचओ डॉ. भवर लाल सर्वा ने जानकारी दी कि पखवाड़े के दौरान आशा सहयोगिनी एवं एएनएम द्वारा घर-घर जाकर कुष्ठ रोगियों की पहचान की जाएगी तथा आमजन को रोग के लक्षणों एवं उपचार के प्रति जागरूक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिले के सभी चिकित्सा संस्थानों पर कुष्ठ रोग के उपचार हेतु दवाएं निःशुल्क उपलब्ध हैं। यदि किसी व्यक्ति के शरीर पर बदरंग अथवा सुन्न चकत्ते दिखाई दें, तो उसे तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र पर चिकित्सक को दिखाना चाहिए, क्योंकि ये कुष्ठ रोग के प्रारंभिक लक्षण हो सकते हैं। नियमित उपचार से यह रोग पूर्णतः ठीक हो सकता है।

कांग्रेस ने रामगढ़ शेखावाटी में मनरेगा के नये क़ानूनों को लेकर आमजन व श्रमिकों से किया संवाद

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आव्हान पर मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत रामगढ़ शेखावाटी नगरपालिका क्षेत्र में काम के अधिकार की रक्षा के लिए मनरेगा श्रमिकों एवं आम जन को इसके प्रभाव के बारे में कांग्रेस पदाधिकारियों ने जागरूक किया।इस दौरान कांग्रेस पदाधिकारीयों ने रामगढ़ शहर दौरा किया और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एवं कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी के मनरेगा बचाओ अभियान के हस्ताक्षर युक्त परिपत्रों का वितरण किया। इस अवसर पर कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष पवन दाधीच ने कहा कि केन्द्र सरकार मनरेगा को बंद करने की साज़िश कर रही हैं जिसे कांग्रेस पार्टी व उसके कार्यकर्ता क़तई बर्दाश्त नहीं करेंगे व कांग्रेस गरीब और मजदूरों की आवाज बनकर सड़कों पर उतरी है।इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष एड.दुदाराम चौहला ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता गांव, ढाणी और वार्ड स्तर तक जाकर लोगों को मनरेगा के बारे में जागरूक कर रहे हैं और किसी भी कीमत पर केंद्र सरकार को गरीब व मजदूरों का हक छीनने नहीं देंगेव मांग की कि यदि सरकार सच में मजदूरों के हित में है तो उन्हे काम का अधिकार देकर उनका मानदेय 400 करना चाहिए व कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू की गई दूरदर्शी मनरेगा योजना ने देश को गरीबी रेखा से ऊपर उठाने में अहम भूमिका निभाई है।इस दौरान कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष पवन दाधीच , नगरपालिका अध्यक्ष एड.दुदाराम चौहला, उपाध्यक्ष जमील क़ुरैशी, नगर अध्यक्ष पवन कुमार सैनी,जावेद, पार्षद सुरेंद्र, हारून, ज़ाकिर , जावेद, फारूक सहित कई कार्यकर्ता व महिलायें उपस्थित रहे।

राजस्थान शिक्षक संघ (अम्बेडकर) ने जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय को भेंट की दो बेंच

शिक्षकों व आगंतुकों की सुविधा के लिए संगठन की सराहनीय पहल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । सामाजिक सरोकारों को निभाते हुए राजस्थान शिक्षक संघ (अम्बेडकर) की जिला इकाई द्वारा एक सराहनीय पहल की गई है। संगठन की ओर से जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक शिक्षा) कार्यालय में आने वाले शिक्षकों, आगंतुकों एवं अतिथियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दो बेंच भेंट की गईं। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) किशन दान चारण एवं अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी श्री शिव शंकर चौधरी ने संगठन के इस रचनात्मक सहयोग की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस पहल से कार्यालय में आने वाले शिक्षकों और आमजन को बैठने की बेहतर सुविधा मिलेगी तथा यह शिक्षक संघ की सेवा भावना को दर्शाता है।इस कार्यक्रम में राजस्थान शिक्षक संघ (अम्बेडकर) के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। वरिष्ठ नेतृत्व में श्री केशरीचंद जनागल (पूर्व प्रदेश महामंत्री एवं संरक्षक) मौजूद रहे। जिला कार्यकारिणी से बृजेश कुमार पंवार (जिलाध्यक्ष), राजेश जनागल (जिला महामंत्री) और हेमा राम गहलोत (जिला सभाध्यक्ष) उपस्थित रहें। प्रदेश एवं जिला पदाधिकारियों में भंवरलाल कोलासर (प्रदेश उपाध्यक्ष), पूराराम बरोड़ (उप सभाध्यक्ष), किशोर करेला, मुकेश सेवलिया (जिला कोषाध्यक्ष) एवं भैराराम पंवार (जिला उपाध्यक्ष) शामिल रहे।इसके अतिरिक्त गोरी शंकर जनागल (जिला मंत्री), राजेंद्र जनागल, रोहतास जनागल, अशोक पंवार और राजेश व्यास सहित अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

सेवा भाव का दिया सकारात्मक संदेश

इस दौरान शिक्षा विभाग के कार्यालय कर्मचारियों ने भी संगठन के इस सहयोगात्मक कदम के लिए धन्यवाद व्यक्त किया। सभी ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ सेवा भाव भी शिक्षक की पहचान है और इस प्रकार की पहल समाज में सकारात्मक संदेश देती है।राजस्थान शिक्षक संघ (अम्बेडकर) ने भविष्य में भी इसी तरह शिक्षा और समाज के हित में रचनात्मक कार्य करते रहने का संकल्प दोहराया।

राधा कृष्ण मंदिर में प्रथम पाटोत्सव आज से

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पलसाना।

पवन कुमार शर्मा । निकटवर्ती ग्राम सुंदरपुरा स्थित राधा कृष्ण मंदिर में प्रथम पाटोत्सव 30 जनवरी से शुरू होगा। पंडित केदारनाथ शर्मा ने बताया कि 30 जनवरी शुक्रवार को प्रातः 10:15 बजे विद्वान पंडितों के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार से पूजा प्रारंभ होगी। 31 जनवरी शनिवार दोपहर 12:15 बजे महास्नान एवं श्रृंगार के बाद महा आरती एवं भगवान को भोग लगाकर प्रसाद वितरण किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य यजमान राजस्व मंडल अजमेर के सदस्य भवानी सिंह आर ए एस एवं बालाजी कंस्ट्रक्शन कंपनी मुंबई के नंदकिशोर सैनी होंगें। राधा कृष्ण मंदिर, गंगा मंदिर एवं हनुमान मंदिर पाटोत्सव को लेकर मालावत परिवार सुंदरपुरा के द्वारा पूर्व तैयारियां जोरों पर है। को निरंतर मेहनत करने, अनुशासन में रहकर लक्ष्य प्राप्त करने का संदेश दिया गया। पुरस्कार वितरण समारोह विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी और उत्साहवर्धक सिद्ध हुआ।

संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी का 649वां जन्मोत्सव का टोहाना में होगा धूमधाम से आयोजन

गुरु रविदास सभा(रजि.)व गुरू रविदास मंदिर सभा (रजि.) संयुक्त रूप से करेंगे आयोजन

टोहाना के पूर्व विधायक व राज्य सभा सांसद सुभाष बराला होंगें मुख्य अतिथि

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । संत शिरोमणि गुरु रविदास जी जयंती टोहाना के रतिया रोड़ अम्बेडकर चौक पर स्थित गुरु रविदास जी भवन व मंदिर में श्रद्धालुओं व भगतों के साथ 1फरवरी को बड़े ही धूमधाम से मनाया जाएगा तथा इस आयोजन में राज्य सभा सांसद व टोहाना के पूर्व विधायक सुभाष बराला मुख्य अतिथि होंगे तथा वरिष्ठ भाजपा नेता व नगर परिषद टोहाना के चेयरमैन नरेश बंसल अति विशिष्ट अतिथि होंगे।यह जानकारी डॉ ईश्वर खोबड़ा ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए दी। डॉ ईश्वर खोबड़ा ने बताया कि इस गुरु पर्व पर आयोजित धार्मिक आयोजन में क्षेत्रवासी बढ़ चढ़ कर धार्मिक आयोजन में शिरकत करेंगे तथा इससे पहले एक दिन पूर्व 31जनवरी को शोभा यात्रा शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए अम्बेडकर चौक, रतिया रोड़ स्थित संत शिरोमणि गुरु रविदास जी मंदिर भवन पहुंचेगी। इस शोभायात्रा को समाज सेवी अनिल मेहता अपने कर कमलों से रवाना करेंगे।इस आयोजन में संत बिरेंद्र सिंह जी गददीनशीन डेरा जगवाल वाली, हरियाणा विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे तथा अपने प्रवचनों में गुरु महिमा का गुणगान करेंगे। समारोह में विशिष्ट अतिथि रामफल जागलान समाज सेवी व एक्साइज इंस्पेक्टर भी समारोह की शोभा बढ़ाएंगे।

फतेहाबाद जिला वासियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार व तय समय सीमा में करें समाधान- कार्यवाहक डीसी अनुराग ढालिया

कार्यवाहक उपायुक्त ने नागरिकों से की समाधान शिविर में आकर अपनी समस्याओं का समाधान करवाने की अपील

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । कार्यवाहक उपायुक्त अनुराग ढालिया ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा आयोजित किए जा रहे समाधान शिविरों में जिला के लोगों की समस्याओं का सभी अधिकारी टीम के रूप में कार्य कर जल्द से जल्द समाधान कर रहे हैं। कार्यवाहक उपायुक्त अनुराग ढालिया ने बताया कि लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान करने के उद्देश्य से समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जिले में सोमवार व वीरवार को कार्यदिवस के दिन प्रातः 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर का आयोजन लगातार किया जा रहा है। उन्होने बताया कि समाधान शिविर में लोगों की समस्याओं की मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी स्वयं मानिटरिंग करते हैं और समाधान शिविर से जुड़ते भी हैं। उन्होंने सभी अधिकारियों को गंभीरता से लोगों की समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला वासियों से समाधान शिविर में आकर अपनी समस्याएं रखकर उनका जल्द से जल्द समाधान करवाने की अपील की। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान शिविर में आई जिला वासियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर व तय समय सीमा में समाधान करें। समाधान शिविर में फतेहाबाद निवासी सुरेंद्र सिंह ने मकान का टैक्स माफ करवाने, बीघड रोड निवासी शुभम गर्ग ने दुकान के आगे लोहे के पोल को साइड में लगवाने, भट्टू कलां निवासी देवीलाल ने प्लाट से गुजर रही नाजायज बिजली की तारों को हटवाने, ब्रह्मणवाला निवासी किरनदीप कौर ने आधार कार्ड का समाधान करवाने, बबली ने एपीएल कार्ड से बीपीएल बनवाने, चिंदड़ निवासी सतीश ने आरसीसी पाइपलाइन हटवाने तथा आत्मा राम ने पपीहा पार्क में साफ सफाई करवाने संबंधी अपनी शिकायत रखी।

फतेहाबाद जिले के जाखन दादी रतिया महिला कॉलेज में महिला सुरक्षा और साइबर जागरूकता कार्यक्रम

महिला सुरक्षा टीम द्वारा छात्रों को महिलाओं के विरुद्ध अपराध और साइबर फ्रॉड के प्रति किया गया जागरूक

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद/रतिया।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में महिला सुरक्षा टीम, प्रभारी निरीक्षक मंजू सिंह के कुशल नेतृत्व में जाखन दादी रतिया महिला कॉलेज में छात्रों को महिलाओं के विरुद्ध अपराधों, साइबर फ्रॉड और अन्य महत्वपूर्ण सुरक्षा मुद्दों के प्रति जागरूक करने हेतु विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं में सुरक्षा और सतर्कता की भावना को विकसित करना, उन्हें कानूनी अधिकारों के प्रति सजग करना और साइबर फ्रॉड जैसे तेजी से बढ़ते अपराधों से बचाव के उपाय बताना था। प्रभारी निरीक्षक मंजू सिंह ने छात्रों को विस्तार से बताया कि कैसे ऑनलाइन धोखाधड़ी, फर्जी कॉल, ओटीपी चोरी और सोशल मीडिया पर ठगी जैसी घटनाओं में आसानी से फंसने से बचा जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि ऐसी किसी भी गतिविधि का तुरंत नजदीकी पुलिस थाना या साइबर हेल्पलाइन पर सूचना देना आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को महिलाओं के विरुद्ध हिंसा, घरेलू हिंसा, छेड़छाड़ और यौन उत्पीड़न जैसे मामलों के कानूनी प्रावधानों के बारे में भी जानकारी दी गई। पुलिस टीम ने उन्हें बताया कि किसी भी असुरक्षित स्थिति में आत्मरक्षा तकनीकें अपनाना, भरोसेमंद लोगों से मदद लेना और घटनाओं का तुरंत पुलिस को सूचित करना कितनी महत्वपूर्ण है। छात्राओं ने सक्रिय रूप से कार्यक्रम में भाग लिया और अपने प्रश्नों के उत्तर प्रभारी निरीक्षक मंजू सिंह से सीधे प्राप्त किए। इसके अलावा, साइबर सुरक्षा के बारे में चर्चा करते हुए छात्राओं को बताया गया कि किसी भी ऑनलाइन लेन-देन या व्यक्तिगत जानकारी को साझा करते समय सतर्क रहना चाहिए और संदिग्ध संदेश या लिंक पर क्लिक नहीं करना चाहिए।

महिला सुरक्षा टीम ने कार्यक्रम के अंत में सभी छात्राओं से अपील की कि वे अपने परिवार और दोस्तों को भी महिलाओं की सुरक्षा और साइबर जागरूकता के महत्व के बारे में सूचित करें। पुलिस ने यह स्पष्ट किया कि महिलाओं के खिलाफ अपराध और साइबर फ्रॉड के मामलों में पूरी तरह से सख्ती बरती जाएगी और आमजन इस मुहिम में पुलिस का सहयोग करें। इस कार्यक्रम ने छात्रों में सुरक्षा, सतर्कता और साइबर जागरूकता के प्रति गंभीरता पैदा की और उन्हें अपने अधिकारों और सुरक्षा उपायों के प्रति सजग किया।

थाना शहर टोहाना पुलिस की कामयाबी; घर के बाहर से बाइक चोरी मामले में आरोपी काबु, चोरीशुदा मोटरसाइकिल बरामद

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धान्त जैन,आईपीएस द्वारा चोरी की घटनाओं पर त्वरित वा सख्त जाँच करने बारे दिए दिशा-निर्देशों की पालना करते हुए थाना शहर टोहाना पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की गई मोटरसाइकिल बरामद करने में सफलता हासिल की है। थाना शहर टोहाना प्रभारी निरिक्षक कुलदीप ने बताया की शिकायतकर्ता कुलदीप सिंह (निवासी वार्ड नं. 13, गीता कॉलोनी, टोहाना) ने पुलिस को अपनी शिकायत में बताया कि 19 मार्च 2025 को उन्होंने अपनी हीरो एच.एफ. डिलेक्स मोटरसाइकिल (HR22-T-3553) दोपहर करीब 12:45 बजे अपने घर के बाहर खड़ी की थी। जब वे 10 मिनट बाद वापस आए, तो उनकी बाइक वहां से गायब थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अभियोग संख्या-112 दिनांक.09.03.2025 धारा 305(2) BNS के तहत मुकदमा दर्ज कर पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और गुप्त सूचना के आधार पर कार्यवाही करते हुए आरोपी विशाल उर्फ सुखविन्द्र पुत्र जगबीर (निवासी खन्नोरी, जिला संगरूर, पंजाब) को काबू किया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरीशुदा मोटरसाइकिल बरामद कर ली है।आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया गया, जहाँ से उसे न्यायिक हिरासत में जिला जेल भेज दिया गया है। मामले की जांच जारी है।

आयुष क्षार सूत्र शल्य चिकित्सा शिविर में चौथे दिन इलाज के लिए पहुंचे 985 लोग

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

राष्ट्रीय आयुष मिशन और आयुर्वेद विभाग की ओर महावीर भवन में आयोजित निःशुल्क 10 दिवसीय क्षार सूत्र चिकित्सा शिविर के चौथे दिन जिले भर से और जिले के बाहर से बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए पहुंच रहे है।मीडिया प्रभारी डॉ रमेश कस्वां ने बताया कि चौथे दिन ओपीडी में कुल 985 मरीज, अग्नि कर्म चिकित्सा के 28 मरीज पंचकर्म चिकित्सा से 151 मरीज, स्त्री रोग के 33 मरीज, क्षार सूत्र चिकित्सा हेतु अब तक कुल भर्ती रोगी 64 एवं 501 बच्चों को सर्वांगीण विकास हेतु स्वर्ण प्राशन करवाया गया। शिविर प्रभारी डॉ अरुण कुमार सैनी एवं डॉ नंदकिशोर शिवरान ने बताया कि शिविर लगातार 4 फरवरी तक जारी रहेगा इसमें आयुर्वेद विभाग की तरफ से सभी आने वाले ओं पी डी मरीजों का सफल उपचार किया जा रहा है ओपीडी मरीजों में आए गुदा रोगों की स्क्रीनिंग कर क्षार सूत्र शल्य चिकित्सा हेतु आईपीडी में भर्ती कर निःशुल्क शल्य चिकित्सा की जा रही है एवं भर्ती मरीजों को निःशुल्क भोजन आवास व्यवस्था उपलब्ध कराई जा रही है आयुर्वेद विभाग के उपनिदेशक डॉ महेश कुमार सोनी ने अपील की है कि आमजन इस शिविर का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाएं।

भाजपा नेता दहिया के मुख्य आतिथ्य में हुआ निशुल्क मोतियाबिंद जांच एवं नेत्र लेंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

दहिया के मुख्य अतिथ्य में गुगोजी की ढाणी स्थित हनुमान वाटिका बालाजी मंदिर में एकादशी के शुभ अवसर पर चिड़ावा में निःशुल्क मोतियाबिन्द जांच एवं नेत्र लैंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन हुआ। शिविर में 32 से ज्यादा नेत्र रोगी हुए लाभान्वित, 150 से ज्यादा का हुआ रजिस्ट्रेशन। जयपुर के प्रसिद्ध शंकरा आई हॉस्पिटल एवं जिला अंधता निवारण समिति जयपुर और श्री खुड्डे वाले बालाजी समिति के तत्वावधान में चिड़ावा में नेत्र शिविर का आयोजन किया गया । शिविर में मरीजों की निःशुल्क मोतियाबिन्द की जाँच की गई। अस्पताल के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम आंखों की गहन जांच की। इस मौके पर भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष नरेंद्र गिरधर, पार्षद गंगाधर सैनी, रामस्वरूप सैनी, राजेन्द्र सैनी, शुभम सैनी, राजेश गोरिवान, कृष्ण माखरिया ,मोंटी सैनी, अजय विशाल, मोनू, मुकेश सुभाष सैनी सहित कार्यकर्ता मौजूद रहें।

लोहिया स्कूल में सीनियर को विदाई

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

गुरुवार को लोहिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल हिंदी और इंग्लिश मीडियम वह लोहियम कैरियर इंस्टिट्यूट में संयुक्त रूप से आशीर्वाद समारोह का आयोजन किया गया, जिसमे कक्षा 12 के छात्र छात्राओं को आशीर्वाद देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की 7 कार्यक्रम की शुरुआत निदेशक राम सिंह नेहरा ,जगपाल यादव ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर की7 कार्यक्रम में शेर सिंह नेहरा और अभय सिंह बड़ेसरा रहे, ममता नेहरा, प्रदीप नेहरा, पूरणमल गजराज, उपस्थित थे 7 इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिनमें गीत, नृत्य, और हास्य अभिनय शामिल थे। लोहिया इंग्लिश मीडियम स्कूल में मिस्टर फेयरवेल, (कॉमर्स) सैंटी मिस फेयरवेल, (आर्ट्स) गार्गी मिस फेयरवेल, (साइंस) खुशबू लोहिया हिन्दी मीडियम स्कूल में मिस्टर फेयरवेल, तरुण मिस फेयरवेल, खुशबू लोहियम करिअर इंस्टिट्यूट में मिस्टर फेयरवेल, प्रशांत मिस फेयरवेल, समीक्षा रहें। इसके अतिरिक्त लोहियंस स्टार सम्मान में स्टार ऑफ कॉमर्स, योगेश, खुशबू, स्टार ऑफ साइंस, अखिलेश, सायना, याक्षिका स्टार ऑफ आर्ट्स, गौरव, पूजा प्रिंसिपल प्रमोदिनी दुबे, प्रधानाचार्या प्रमिला झाझडिया, ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, 'आप सभी हमारे विद्यालय के गौरव हैं। हम आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं। कार्यक्रम का समापन विदाई संदेश के साथ हुआ। मंच संचालन कविता सोनी, मोनिका धनकड, मोनिका झाझडिया, विमलेश जांगिड़, सपना शर्मा ने किया7 इस अवसर पर गुलजार खान, सुरेश यादव श्याम सुंदर मिश्रा रवि पारीक कुलदीप कनोडिया संदीप सैनी, सुशील कुमार, दीपक शर्मा सिमरन काविया, सीमा शर्मा, काजल शर्मा, समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

रोडवाल गांव में श्री 1008 बाबा मोलडनाथ महाराज का चतुर्थ विशाल मेला एवं भंडारा, श्रद्धालुओं का उमड़ा जनसैलाब

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । उपखंड क्षेत्र के रोडवाल गांव के झालडी जोहड़ धाम में श्री श्री 1008 बाबा मोलडनाथ महाराज के पावन सान्निध्य में गुरुवार को विशाल मेले एवं भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भजन- कीर्तन, धार्मिक अनुष्ठान तथा भंडारे का विशेष आयोजन रखा गया है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। आयोजकों ने बताया कि यह भव्य मेला एवं भंडारा श्रद्धालुओं की आस्था और सेवा भाव का प्रतीक है। कार्यक्रम के दौरान संत-महात्माओं का आशीर्वचन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां तथा प्रसाद वितरण किया गया। मेले में श्रद्धालु पहुंचकर बाबा मोलडनाथ महाराज का आशीर्वाद किया और भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भामाशाह हर्षदीप सिंह लॉर्ड्स क्रिटिव ग्रुप ऑफ कंपनीज दिल्ली और विनोद यादव समाजसेवी प्रतापसिंहपुरा नीमराना रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि रविन्द्र यादव समाजसेवी नीमराना, नीमराना नगर कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट वेद प्रकाश सैनी, नगर कांग्रेस उपाध्यक्ष संजय यादव पत्थरावाली ढाणी, सुमित गिरी, दलीप गुप्ता, दीपिका यादव, नगर कांग्रेस उपाध्यक्ष महावीर प्रसाद चर्खिया, कांग्रेस जिला महासचिव राजीव गांधी पंचायती राज राजकुमार रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महंत शीतलदास महाराज शिवस्वरूप आश्रम कालिया पहाड़ ने की। कार्यक्रम के दौरान मंच संचालन शिक्षाविद किशोर कुमार ने किया। कार्यक्रम में पहुंचे लोगों ने पंगत में बैठकर बाबा का प्रसादी ग्रहण किया। इस अवसर पर कमेटी अध्यक्ष कालूराम जोशी, महिपाल पी टी आई, धर्मवीर जोशी, ओमप्रकाश मास्टर, भवानी सहाय, ओमप्रकाश जोशी, नित्यानंद मास्टर, शिवस्वरूप गौशाला अध्यक्ष मास्टर वीरेंद्र यादव, पूर्व अध्यक्ष दिलीप मुनीम, बाबूलाल मास्टर, धर्मवीर जोशी, सुरेंद्र लंबरदार, भूपसिंह मास्टर, पूर्व सरपंच यशवंत भागवत, अतरसिंह, ईश्वर सिंह, उदयभान, नरेश, तेजपाल मास्टर, सामाजिक कार्यकर्ता नत्थूराम सैन, निहाल सिंह पूर्व थानेदार, निहालसिंह पंच, ज्ञानप्रकाश, रामानंद हवलदार, बाबूलाल यादव, एडवोकेट देवेंद्र दोसोदिया सहित काफी संख्या श्रद्धालु मौजूद रहे।

भारतीय टीम के लिए टी20 विश्व जीतना इतना भी आसान नहीं रहेगा

कठिनाइयां हैं जो नजर नहीं आ रही

मुम्बई (एजेंसी)। भारतयी क्रिकेट टीम अगले माह अपनी ही धरती पर होने वाले टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट में जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है पर भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा इसे इतना आसान नहीं मानते हैं। भारतीय टीम अभी टी20 में नंबर स्थान पर है और उसने लगातार अपने मैच जीते हैं। वहीं रोहित ने कहा कि विश्वकप जीत की राह में कई कठिनाइयां हैं जो नजर नहीं आ रही हैं। इसमें टीम के लिए विजयी संयोजन बनाना सबसे कठिन काम है।

इस पूर्व कप्तान ने कहा कि स्पिन आक्रमण को लेकर हमें ध्यान रखना होगा। उनके अनुसार, कप्तान सूर्यकुमार यादव और कोच गौतम गंभीर के सामने सबसे मुश्किल सवाल यह होगा कि कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती जैसे दो दिग्गज स्पिनरों को एक साथ खिलाया जाए या पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ वरुण को रखा जाए। भारत पिछले एक साल से स्पिन गेंदबाजों पर काफी निर्भर रहा है, जिसमें कुलदीप, वरुण और अक्षर पटेल ने कई मैचों का रुख पलटा है।

रोहित के मुताबिक, अगर टीम प्रबंधन कुलदीप और वरुण दोनों को अंतिम ग्यारह में शामिल करना चाहता है, तो उसे केवल दो विशेषज्ञ तेज गेंदबाजों के साथ उतरना पड़ेगा। टी20 क्रिकेट में यह एक बड़ा जोखिम हो सकता है। उन्होंने कहा कि यह फैसला पूरी तरह इस बात पर निर्भर करेगा कि कप्तान और कोच किस तरह का संतुलन चाहते हैं

रोहित ने टूर्नामेंट के समय को भी एक अहम चुनौती बताया है। उन्होंने कहा कि फरवरी-मार्च के दौरान, जब सर्दियों से वसंत का मौसम आता है, भारत के ज्यादातर मैदानों पर शाम के मैचों में भारी ओस देखने को मिलती है। ओस की वजह से स्पिनरों के लिए गेंद पकड़ना और नियंत्रण बनाए रखना कठिन हो जाता है, जिससे टीम की रणनीति प्रभावित हो सकती है।

साथ ही कहा कि अगर अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती तीनों को एक साथ ही रखा जाता है तो टीम संतुलन बिगड़ सकता है क्योंक अर्शदीप सिंह जैसे विशेषज्ञ तेज गेंदबाज को बाहर करना पड़ेगा। ऐसे में भारतीय टीम को जसप्रीत बुमराह के साथ हार्दिक पांड्या और शिवम दुबे जैसे तेज गेंदबाजी ऑलराउंडरों को लगाना होगा। रोहित के अनुसार, यह फैसला आसान नहीं होगा

क्योंकि हर खिलाड़ी अपनी जगह पर विश्व-स्तरीय है।साथ ही कहा कि वर्तमान हालतों में भारतीय टीम के लिए एक तय अंतिम ग्यारह बना दी जाये तो उसमें भी नुकसान है। उसकी जगह हालातों के अनुसार अंतिम ग्यारह तय करनी होगी।

गंभीर को कोच पद से हटाने की कोई योजना नहीं: बीसीसीआई

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने टी20 सीरीज के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर को हटाये जाने की सभी अटकलों को खारिज कर दिया है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि देश में क्रिकेट को लेकर जिस प्रकार की दीवानगी रहती है। उसमें सभी अपने को विशेषज्ञ समझते हैं। साथ ही कहा कि सभी को अपनी राय देने का अधिकार है पर इस मामले में बोर्ड किसी भी प्रकार का फैसला अपने विशेषज्ञ पैनल की रिपोर्ट के आधार पर लेता है।

उन्होंने कहा, 'बीसीसीआई में एक क्रिकेट कमेटी है, जिसमें पूर्व क्रिकेटर शामिल रहते हैं। वे पूरी जिम्मेदारी के साथ सभी फैसले लेते है। वहीं टीम चयन के लिए हमारे पास पांच चयनकर्ता होते हैं, जो योग्यता के बाद इस पद तक पहुंचते हैं। ये ही लोग चयन से जुड़े फैसले लेते हैं। हर फैसले पर कोई न कोई अलग राय हो सकती है।' उन्होंने आगे कहा, 'हम इन सभी रायों को सुनते और समझते हैं पर अंतिम फैसला हमेशा क्रिकेट कमेटी और चयनकर्ता ही लेते है।'

वहीं हाल में पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने कहा था कि अगर भारतीय टीम टी20 विश्वकप कप 2026 में असफल रहती है तो बीसीसीआई को कठिन फैसला लेते हुए गंभीर को कोच पद से हटा देना चाहिए।' गौरतलब है कि गंभीर की कोचिंग में भारतीय टीम टी20 क्रिकेट में ही अब तक सफल रही है। वहीं टेस्ट में उसका प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और वह दो घरेलू सीरीज हारी है। इसके अलावा एकदिवसीय में भी टीम कुछ विशेष नहीं कर पायी है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवें टी20 में सैमसन की जगह ईशान किशन को शामिल करें : पार्थिव

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर पार्थिव पटेल ने कहा है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ शनिवार को होने वाले पांचवे और अंतिम टी20 क्रिकेट मैच में खराब फॉर्म से गुजर रहे संजू सैमसन की जगह पर युवा ईशान किशन को भारतीय टीम में शामिल कर पारी की शुरुआत के लिए भेजा जाना चाहिये। पार्थिव ने टीम प्रबंधन को सलाह दी है उस इस मैच में सैमसन की जगह पर ईशान को शामिल करना ही फायदेमंद होगा। सैमसन को बाहर करने की मांग इसलिए हो रही है क्योंकि वह पहले ही तीनों मैचों में विफल रहे है। चार मुकाबलों में पारी की शुरुआत करते हुए सैमसन केवल 39 रन ही बना पाये हैं। ऐसे में प्रबंधन के ऊपर अंतिम टी20 में सैमसन की जगह पर युवा ईशान किशन को पारी की शुरुआत के लिए भेजे जाने का दबाव है। ईशान ने पिछले कुछ समय में घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर टीम में वापसी की है। वहीं . इस सीरीज में सैमसन का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। अब तक चार मैचों में वह केवल 10, 6, 0 और 24 रन बना पाये हैं। पार्थिव का मानना है कि अंतिम मैच में ईशान को अवसर देने से अगले माह होने वाले टी20 विश्व कप 2026 से पहले उनके फार्म का भी अंदाज हो जाएगा। .

पार्थिव ने कहा कि अगर पांचवे मैच में ईशान अच्छी बल्लेबाजी करते हैं तो उन्हें विश्वकप में मुख्य विकेटकीपर बनाया जा सकता है। ईशान की दो साल बाद टी20 टीम में वापसी हुई है। वहीं इस सीरीज में अब तक ईशान ने तीन मैच खेले हैं, जिनमें उनके स्कोर 8, 76 और 28 रन बनाये हैं। पार्थिव पटेल ने कहा, 'अगर मुझे फैसला लेना होता तो मैं अंतिम मैच में सैमसन की जगह ईशान को शामिल करता। अगर टी20 वर्ल्ड कप के लिए ईशान को मुख्य विकेटकीपर बनाना है, तो पांचवें टी20 और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अभ्यास मैच में उन्हें ही विकेटकीपिंग देनी होगी।'

सूर्यकुमार ने हार पर निराशा जतायी, शिवम के प्रदर्शन की जमकर प्रशंसा की

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे मैच में मिली हार पर निराशा जतायी है। सूर्यकुमार ने हालांकि शिवम दुबे की पारी की सराहना की है। शिवम ने इस मैच में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 23 गेंदों में ही 65 रन बनाकर भारतीय टीम को जीत दिलाने का पूरा प्रयास किया पर बदकिस्मती से वह रन आउट हो गये जिसये ये मैच भारतीय टीम के हाथों से निकल गया। सूर्या ने कहा कि अगर कोई बल्लेबाज शिवम के साथ होता तो इस मैच का परिणाम कुछ और होता। भारतीय टीम ने चौथे टी20 में छह बल्लेबाजों को उतारा पर इसके बाद भी

उसे लाभ नहीं मिला। सूर्यकुमारी ने कहा कि हमने छह बल्लेबाज और पांच गेंदबाज इसलिए उतारे थे जिससे पल चल सके कि टी20 विश्व कप से पहले हम कहां पर हैं। शिवम के अर्धशतक के बाद भी इस मैच में भारतीय टीम हारी है। इस हार से अब पांच मैचों की सीरीज में भारतीय टीम 3-1 से आगे है। सूर्यकुमार ने कहा, 'मुझे लगता है कि ओस के बाद भी अगर कोई बल्लेबाज शिवम का साथ देतो तो मैच बच सकता था। हम 50 रनों से हार गए, लेकिन कोई बात नहीं.जैसा कि मैंने कहा, इस तरह लक्ष्य का पीछा करते हुए एक-दो साझेदारियां निर्णायक साबित हो सकती थीं।' कप्तान ने कहा कि हमारे पास कुछ अन्य खिलाड़ियों को भी अंतिम एकादश में शामिल करने का अवसर था पर हम उन खिलाड़ियों को अवसर देना चाहते थे जो टी20 विश्वकप टीम का हिस्सा हैं। हम पहले बल्लेबाजी करते हुए अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन हम यह देखना चाहते थे कि लक्ष्य का पीछा करते हुए अगर विकेट गिरते हैं तो टीम किस प्रकार का प्रदर्शन करती है।'

अभी फिलहाल संन्यास नहीं लेंगे केएल राहुल

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज केएल राहुल ने कहा है जब समय सही आयेगा वह खेल को अलविदा कहने में देर नहीं करेंगे। 33 साल के राहुल ने कहा कि अभी वह समय नहीं आया है और जब आयेगा तो वह फैसला लेने में देर नहीं करेंगे। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन के साथ बातचीत में राहुल ने कहा कि खेल के अलावा भी जीवन में काफी कुछ है। इसलिए संन्यास का फैसला लेना उनके लिए कठिन नहीं रहेगा। राहुल ने पीटरसन से कहा, 'मैंने एक समय संन्यास के बारे में भी सौचा था पर मुझे नहीं लगता कि इसका फैसला कठिन होगा। साथ ही कहा कि अगर आप अपने प्रति ईमानदार हैं तो जब समय आएगा तब इसे नहीं टालेंगे।' राहुल ने कहा कि वह अपने को एक बड़ा स्टार या बहुत महत्वपूर्ण व्यक्ति नहीं मानते हैं, जिसके कारण उनके लिए भविष्य में संन्यास का फैसला आसान रहेगा। उन्होंने कहा, ' वह शांति से संन्यास लेकर जीवन का आनंद लेना चाहते हैं। उनका मानना है कि परिवार भी साथ है, इसलिए बस वही करो जो अच्छा लगता हो।' राहुल ने कहा, 'हमारे देश और दुनिया भर में क्रिकेट चलता रहेगा पर जीवन में इससे आगे भी काफी कुछ है। मुझे लगता है कि मेरी ये सोच हमेशा से रही है पर जब से मैं पिता बना हूं तब से जीवन के प्रति मेरा नजरिया पूरी तरह से ही बदल गया है। यही मेरी सोच है।' वह अपनी फिटनेस को लेकर भी संघर्ष करते रहे हैं। जिसके कारण उनके खेल में निरंतरता की कमी रही है।

मोइन ने यॉर्कशायर की ओर घरेलू क्रिकेट खेलेंगे संन्यास से वापसी की

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर मोईन अली अब एक बार फिर घरेलू क्रिकेट खेलते नजर आयेंगे। मोइन ने घरेलू क्रिकेट से संन्यास के अपने फैसले को बदलते हुए कहा है कि इस सत्र के लिए काउंटी क्लब यॉर्कशायर से अनुबंध किया है। ये अनुबंध अगले एक साल तक बढ़ाया जा सकता है। यॉर्कशायर काउंटी क्रिकेट क्लब ने भी मोईन के साथ करार की पुष्टि की है। क्लब ने अपने एक बयान में कहा, मैं वाइटैलिटी ब्लास्ट टूर्नामेंट के लिए यॉर्कशायर में शामिल होकर बहुत उत्साहित हूं। यह एक बहुत बड़ा क्लब है जिसका इतिहास बहुत शानदार रहा है पर जो बात मुझे सबसे ज्यादा अच्छी लग रही है वह टीम का लगातार आगे बढ़ना है। टीम में काफी प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। ऐसे में इस क्लब की ओर से खेलना उनके लिए खुशी की बात होगी। साथ ही कहा कि मुझे

हमेशा हेडिंग्ले में खेलना पसंद रहा है। विकेट, माहौल और समर्थक इसे एक खास जगह बनाते हैं। यह एक नई चुनौती जैसा लगता है और मैं इसके लिए भूखा हूं। मैं अपना अनुभव लाना चाहता हूं, अपने क्रिकेट का आनंद लेना चाहता हूं और यॉर्कशायर को मुकाबला करने में सहायता करना चाहता हूं। यॉर्कशायर ने अभी तक ब्लास्ट का खिताब नहीं जीता है और मेरा प्रयास इस बार टीम को जीत में सहायता करना है पिछले साल नॉर्थ ग्रुप की नौ टीमों में से यॉर्कशायर आठवें स्थान पर रही थी। वहीं यॉर्कशायर के क्रिकेट जनरल मैनेजर गेविन हैमिल्टन ने कहा, मोईन एक विश्व-स्तरीय ऑलराउंडर हैं उनका प्रभाव मैदान पर काफी ज्यादा होता है। उनका अनुभव और नेतृत्व बहुत कीमती होगी क्योंकि हम अपनी टी20 टीम को बेहतर बनाना जारी रखेंगे। उनके आने से टीम के खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ेगा।

हर्षित हर मैच के साथ बेहतर हो रहे : कोच कोच श्रवण

नई दिल्ली । तेज गेंदबाज हर्षित राणा के बचपन के कोच श्रवण कुमार ने उनकी जमकर प्रशंसा की है। कोच ने कहा है कि हर्षित हर मैच के साथ ही बेहतर होते जा रहे हैं। साथ ही कहा कि जिस प्रकार से वह आगे बढ़ रहा है उससे उन्हें काफी खुशी हुई है। कोच के अनुसार हर्षित गेंदबाज ही नहीं बल्लेबाज़ी में भी निरंतर बेहतर हो रहे हैं। श्रवण हर्षित राणा के साथ ही अनुभवी तेज़ गेंदबाज़ ईशांत शर्मा के भी कोच रहे हैं। राणा ने नई गेंद से न्यूज़ीलैंड के खिलाफ सीरीज में प्रभावित किया है। इस युवा तेज गेंदबाज ने एकदिवसीय के साथ ही टी20 में भी अच्छा खेला है। तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज़ में हर्षित ने 6 विकेट लिए थे। वहीं टी20 सीरीज़ में दो मैचों में उन्होंने 2 विकेट लिए थे। श्रवण ने कहा, राणा हर दिन के साथ ही बेहतर हो रहा है। उसे जितना अधिक खेलने को मिलेगा उतना ही बेहतर होता जाएगा। राणा ने अब तक 14 एकदिवसीय मैचों में 26 विकेट लिए हैं, उनका औसत 27.38 रहा है। उनकी इकॉनमी रेट 6.21 रही है। इसके अलावा 8 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 9 विकेट, और 2 टेस्ट में 4 विकेट लिए हैं। राणा बड़े शॉट लगाने के कारण भी नजरों में आये हैं। हर्षित ने वह बड़े-बड़े छक्के लगाने में सक्षम हैं। एकदिवसीय में नंबर आठ पर खेलते हुए सात पारियों में इस क्रिकेटर ने 124 रन, औसत 24.80 और 121 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट के साथ एक अर्धशतक लगाया है। टी20 में भी उन्होंने दो पारियों में 48 रन बनाए हैं, उनका सबसे अधिक स्कोर 35 रन रहा। इस क्रिकेटर ने सीरीज़ के पहले एकदिवसीय में विराट के आउट होने के बाद 23 गेंदों में 29 रन बनाकर पारी को संभाला। कोच के अनुसार हर्षित को सफल ऑल-राउंडर बनने के लिए अपने को साबित करना होगा। साथ ही कहा कि महान ऑलराउंडर कपिल देव शुरुआत में अंतिम स्थान पर उतरते थे पर अपनी प्रदर्शन से वह शीर्ष पर पहुंचे।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपना खुद का इतिहास रचना चाहते हैं नोवाक जोकोविच

मेलबर्न (एजेंसी)। पुरुष टेनिस के इतिहास में सबसे सफल खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में यानिक सिनर के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और वह खुद का इतिहास रचने पर ध्यान दे रहे हैं। अब तक रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले जोकोविच जब सिनर के खिलाफ मुकाबले के संदर्भ में सवालों का जवाब दे रहे थे तब एक सवाल पर उन्हें अपमान महसूस हुआ।

जोकोविच वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 11वां खिताब जीतने की कवायद में हैं। जोकोविच से उस दौर से तुलना करने के लिए कहा गया जब उन्होंने टेनिस जगत में कदम रखा था तथा उस समय रोजर फेडरर और राफेल नडाल शीर्ष पर थे और अब जबकि सिनर और कार्लोस अल्काराज़ ने पिछले दो सत्र से उन्हें कोई भी ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने से रोक रखा है।

जोकोविच ने सवालिया अंदाज में कहा, 'मैं यानिक और कार्लोस का पीछा कर रहा हूं। किस अर्थ में। मैं हमेशा पीछा करने वाला खिलाड़ी ही रहा हूं। मेरा कभी पीछा नहीं किया जाता।'

उन्होंने कहा, 'मुझे यह थोड़ा अपमानजनक लगता है कि आप उस दौर के बीच की घटनाओं को नजरअंदाज कर रहे हैं जब मैंने आपके अनुसार राफा और रोजर का पीछा करना शुरू किया था और अब मैं कार्लोस और यानिक का पीछा कर रहा हूं। शायद बीच में लगभग 15 साल का ऐसा समय था जब मैं ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में अपना दबदबा बनाए हुए था।' जोकोविच ने कहा, 'इसे सही परिप्रेक्ष्य में देखना महत्वपूर्ण है। सच कहूं तो मुझे ऐसा नहीं लगता कि मैं किसी का पीछा कर रहा हूं। मैं अपना खुद का इतिहास रच रहा हूं।'

ऑस्ट्रेलियाई ओपन के पुरुष वर्ग में शीर्ष चार वरीयता प्राप्त खिलाड़ी सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। पहला सेमीफाइनल दूसरी वरीयता प्राप्त सिनर और जोकोविच के बीच खेला जाएगा जबकि नंबर एक कार्लोस अल्काराज और नंबर तीन अलेक्जेंडर ज्वेरेव शुक्रवार को दूसरे सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगे। इन दोनों मैच के विजेता रविवार को होने वाले फाइनल में पहुंचेंगे। इसमें कोई शक नहीं कि 38 वर्षीय जोकोविच मेलबर्न में एक ही लक्ष्य के साथ आए हैं। वह है अपना 25वां ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतना। इससे वह सर्वकालिक सबसे सफल टेनिस खिलाड़ी बन जाएंगे। पिछले साल वह चारों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक पहुंचे थे, लेकिन फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे थे।

पहलवानों के यौन उत्पीड़न मामले में निचली अदालत की कार्यवाही पर कोई रोक नहीं : उच्च न्यायालय

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को स्पष्ट किया कि पूर्व भाजपा सांसद बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ कई महिला पहलवानों द्वारा दायर यौन उत्पीड़न मामले में निचली अदालत की कार्यवाही पर कोई रोक नहीं है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांत शर्मा ने यह बयान भारतीय कुश्ती महासंघ (WFI) के पूर्व प्रमुख की एफआईआर और उनके खिलाफ दर्ज आरोपों को रद्द करने की याचिका पर सुनवाई के लिए 21 अप्रैल की तारीख तय करते हुए दिया। याचिकाकर्ता के वकील द्वारा स्थगन का अनुरोध किए जाने पर न्यायाधीश ने याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी और अगली सुनवाई की तारीख पर निचली अदालत के रिकॉर्ड मंगवाए। बृज भूषण के वकील द्वारा मुख्य वकील की अनुपलब्धता का हवाला देते हुए स्थगन का अनुरोध किए जाने पर अदालत ने सवाल किया कि याचिकाकर्ता द्वारा इस मामले पर अभी तक बहस क्यों नहीं की गई है। न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा, 'आप इस पर बहस क्यों नहीं कर रहे हैं? आपने याचिका दाखिल की है, लेकिन इस पर एक बार भी बहस नहीं हुई है।' इस पर बृज भूषण के वकील ने भरोसा दिलाया कि अगली तारीख पर याचिका पर बहस की जाएगी। अदालत ने साफ कहा, 'कोई रोक नहीं है। यह स्पष्ट किया जाता है कि निचली अदालत की कार्यवाही पर कोई स्थगन नहीं है।' सिंह ने वर्ष 2024 में उच्च न्यायालय का रुख करते हुए कहा था कि उन्हें इस मामले में झूठा फंसाया गया है और उन्होंने कोई अपराध नहीं किया है। अपनी याचिका में उन्होंने आरोप लगाया कि जांच पक्षपातपूर्ण तरीके से की गई और केवल पीड़ितों के बयानों को ही आधार बनाया गया, जो उनसे बदला लेना चाहते थे। उन्होंने यह भी कहा कि आरोपों की सच्चाई की जांच किए बिना ही निचली अदालत में आरोप पत्र दाखिल कर दी गई। निचली अदालत ने 21 मई, 2024 को यौन उत्पीड़न, धमकी और महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने के आरोप तय किए। इस मामले में सह-आरोपी और WFI के पूर्व सहायक सचिव विनोद तोमर के खिलाफ भी आपराधिक धमकी का आरोप तय किया था। दिल्ली पुलिस ने मई 2023 में उच्चतम न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद सिंह के खिलाफ FIR दर्ज की थी।

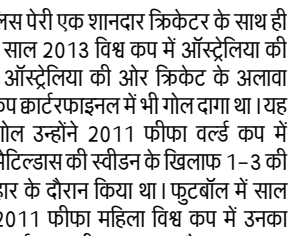

विराट के साथ खेले अजितेश आजकल अंपायरिंग कर रहे

नवी मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर अजितेश अर्गल आजकल महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में अंपायरिंग कर रहे हैं। अजितेश ने अपने करियर के शुरुआती दौर में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। वह साल 2008 में विराट कोहली की कप्तानी वाली अंडर-19 विश्वकप विजेता टीम में शामिल रहे थे। अजितेश ने तब भारतीय टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। तब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल मैच में अजितेश ने घातक गेंदबाजी करते हुए दो बड़े विकेट झटके थे। उनके इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड भी मिला था।उस समय यह माना जा रहा था कि वह शीघ्र ही भारतीय सीनियर टीम में जगह बनाएंगे पर ऐसा हुआ नहीं। वर्ल्ड कप की सफलता के बाद अजितेश को किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) ने अपनी टीम में शामिल किया पर एक भी मैच में उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली। घरेलू क्रिकेट में उन्होंने बड़ौदा की ओर से खेला था। उन्होंने अपने करियर में कुल 10 फर्स्ट क्लास, 6 टी-20 और 3 लिस्ट-ए मैच खेले, जिनमें उन्होंने 29 विकेट लिए। उन्होंने अपना अंतिम पेशेवर मैच साल 2015 में खेला था।क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद अजितेश आयकर अधिकारी के तौर पर काम करने लगे पर अधिक समय खेल से दूर नहीं रह पाये। साल 2023 में उन्होंने अंपायरिंग की परीक्षा पास की और अब वे एक बार फिर रेफरी और अंपायर की भूमिका में दिख रह हैं। इस डब्यूपीएल सत्र में उन्होंने गुजरात जायंट्स, यूपी वॉरियर्स, आरसीबी और दिल्ली कैपिटल्स के मैचों में अंपायरिंक की है।

ओलंपिक 2036 दावेदारी : एक्वाटिक्स, नौकायन, साइकिलिंग पर रहेगा जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की ओलंपिक 2036 की दावेदारी मजबूत करने के लिये पदक रणनीति में भी बदलाव किये जा रहे हैं ताकि एक्वाटिक्स और साइकिलिंग जैसे खेलों में भी मजबूती से उपस्थिति दर्ज कराई जा सके जिनमें आम तौर पर प्रदर्शन औसत रहता है । इन दोनों खेलों में सौ से अधिक ओलंपिक पदक दाव पर लगे होते हैं लेकिन भारत की झोली खाली ही रहती है।

खेल मंत्रालय के एक सूत्र ने पीटीआई से कहा, 'अगर हमारे देश में ओलंपिक होते हैं और हमारे खिलाड़ी छह पदक लेकर 71वें स्थान पर रहते हैं तो क्या यह अच्छा लगेगा, जैसा पेरिस (2024) में हुआ था। हमें इस पर तुरंत गौर करना होगा।' सूत्र ने कहा, 'मेजबान देश ओलंपिक में अपना प्रदर्शन बेहतर करने पर जोर देते हैं ताकि अपने देश में होने वाले खेलों में मैदान पर भी उनका परचम लहराए।'

चीन ने 2008 बीजिंग ओलंपिक से ऐसे खेलों में अपने प्रदर्शन में सुधार किया जिसमें अतीत में उसका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। इनमें मुक्केबाजी, केनोइंग और तीरंदाजी शामिल है। सूत्र ने कहा, 'भारत अपने खेलों के सफर में एक अहम मोड़ पर है और चुनौती यह पक्का करना है कि हम यहां से ऊपर उठें, नीचे न गिरे। बुनियादी ढांचा चिंता का विषय नहीं है, यह सबसे आसान काम है और शायद सबसे अधिक दिखने वाला भी, इसीलिए इसके प्रति जुनून है। बड़ी चिंता एक खेल देश के रूप में हमारे दर्जे की है।' इसलिए अब फोकस स्कूलों पर होगा जहां से 2036 ओलंपिक के भावी सितारे निकलेंगे।

उन खेलों पर अधिक ध्यान दिया जाएगा जिनमें भारत का प्रदर्शन खास नहीं रहा है लेकिन जिनसे पदक मिल सकते हैं। इसके लिए एक्वाटिक्स, नौकायन और साइकिलिंग प्राथमिकता में हैं। एक्वाटिक्स में तैराकी, गोताखोरी, वाटरपोलो, कलात्मक तैयारी और ओपन वॉटर तैराकी शामिल है। इनमें लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 में 36 स्पर्धाओं के 350 से अधिक कुल पदकों में से 55 दाव पर होंगे।

नौकायन में 15 स्पर्धाओं में 45 और साइकिलिंग में 22 स्पर्धाओं में 66 पदक दाव पर होंगे। सूत्र ने कहा, 'हम उन खेलों पर फोकस करना चाहते हैं जिनमें अभी तक प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। इसके यह मायने नहीं हैं कि हम मुक्केबाजी, कुश्ती या निशानेबाजी की उपेक्षा करने जा रहे हैं। लेकिन अधिक पदक देने वाले खेलों की उपेक्षा नहीं की जा सकती।'

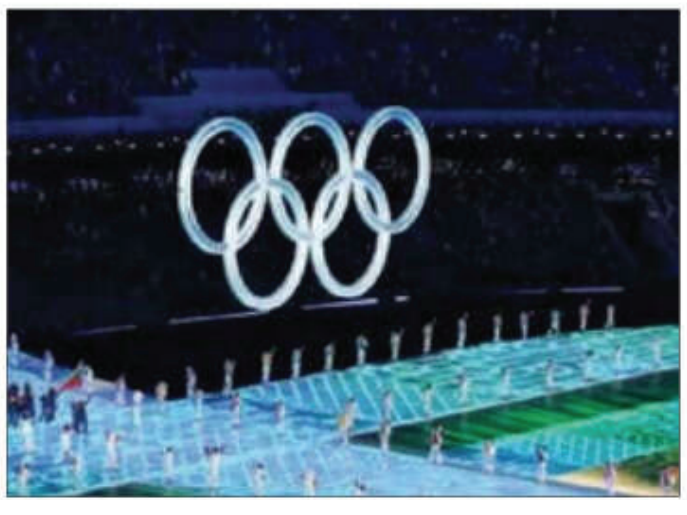

एलिस पेरी ने क्रिकेट ही नहीं फुटबॉल में भी बनाये हैं रिकार्ड

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटर एलिस पेरी एक शानदार क्रिकेटर के साथ ही एक अच्छी फुटबॉलर भी रही हैं। एलिस ने साल 2013 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की ओर क्रिकेट के अलावा फुटबॉल में खेला है। एलिस ने फीफा वर्ल्ड कप क्वार्टरफाइनल में भी गोल दागा था। यह गोल उन्होंने 2011 फीफा वर्ल्ड कप में मैटिल्डास की स्वीडन के खिलाफ 1-3 की हार के दौरान किया था। फुटबॉल में साल 2011 फीफा महिला विश्व कप में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रह है।, तब इस खिलाड़ी ने टीम को क्वार्टरफाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। तब ऑस्ट्रेलिया को 3-1 से हार का सामना करना पड़ा पर टीम की ओर से एकमात्र गोल पेरी ने किया था। वहीं साल 2014 में पेरी ने ऑस्ट्रेलियाई फुटबॉल टीम से संन्यास ले लिया पर उनके खेल खिलाड़ी आज तक याद रखते हैं। सबसे बड़ी बात ये है कि फीफा में उनके नॉकआउट गोल पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो से ज्यादा हैं। . उन्होंने वर्ल्ड कप (2006, 2010, 2014, 2018 और 2022) के नॉकआउट स्टेज में एक भी गोल नहीं किया है। वहीं पेरी ने ऑस्ट्रेलिया की टीम के लिए 2010, 2012, 2014, 2018, 2020, 2023 में टी20 विश्व कप खिताब जीता था।

'धमाल 4' की रिलीज डेट में बदलाव, अब 3 जुलाई को देगी सिनेमाघरों में दस्तक

मोस्ट अवेटेड कॉमेडी फ्रेंचाइजी 'धमाल' की चौथी किस्त 'धमाल 4' को लेकर दर्शकों में उत्सुकता चरम पर है। हालांकि, निर्देशक इंद्र कुमार की इस फिल्म की रिलीज डेट में एक बार फिर बदलाव हुआ है। मेकर्स ने सोशल मीडिया के जरिए घोषणा की कि फिल्म अब 12 जून को रिलीज नहीं होगी। मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'जब अराजकता कॉमेडी से मिलती है, तो समझ लीजिए कि यह धमाल का समय है! नई तारीख शुभ और फैमिली एंटरटेनर के लिए बेस्ट है। 3 जुलाई को फिल्म अल्टीमेट फैमिली एंटरटेनर के रूप में दर्शकों के सामने आने के लिए तैयार है। यह रिलीज डेट में दूसरी बार बदलाव है। इससे पहले फिल्म 12 जून को रिलीज होने वाली थी और उससे पहले ईद के मौके पर आने वाली थी। मेकर्स ने कुछ वजहों से तारीख बदली, हालांकि वजहों का खुलासा नहीं किया गया। माना जा रहा है कि संभावित बॉक्स ऑफिस क्लैश से बचने के लिए यह फैसला लिया गया है।

'धमाल 4' में अजय देवगन लीड रोल में हैं। उनके साथ संजय मिश्रा, ईशा गुप्ता, संजीदा शेख, अंजलि आनंद, उपेंद्र लिमये, विजय पटकर और रवि किशन जैसे शानदार एक्टर्स अहम किरदार में नजर आएंगे। फ्रेंचाइजी के पुराने सितारे जैसे रितेश देशमुख, अरशद वारसी और जावेद जाफरी भी इसमें शामिल हैं।

फिल्म का निर्देशन इंद्र कुमार ने किया है। इसे टी-सीरीज, देवगन फिल्म्स, मारुति इंटरनेशनल और पैनोरमा स्टूडियोज के बैनर तले बनाया गया है। प्रोड्यूसर्स में अजय देवगन, भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, अशोक ठकेरिया, इंद्र कुमार, आनंद पंडित और कुमार मंगत पाठक शामिल हैं।

'धमाल' फ्रेंचाइजी की पहली फिल्म साल 2007 में हुई थी, जिसमें संजय दत्त, रितेश देशमुख, अरशद वारसी और जावेद जाफरी मुख्य भूमिका में थे। इंद्र कुमार ने ही इसे डायरेक्ट किया था। इसके बाद साल 2011 में 'डबल धमाल' और 2019 में 'टोटल धमाल' रिलीज हुईं, जो हिट साबित हुईं। 'धमाल 4' इस सीरीज की नई किस्त है, जो पुरानी मस्ती और नए ट्विस्ट के साथ दर्शकों को हंसाने के लिए तैयार है। फिल्म का ट्रेलर और पोस्टर जल्द रिलीज होने की उम्मीद है।

'बॉर्डर 2' की सफलता के बाद अब 'बॉर्डर 3' भी आएगी? जल्द मिलेगी जानकारी, होगी आधिकारिक घोषणा

वॉर-ड्रामा फिल्म 'बॉर्डर 2' इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर बनी हुई है और शानदार कमाई कर रही है। फिल्म सिर्फ चार दिनों में ही 150 करोड़ रुपए से ऊपर की कमाई कर चुकी है। अब 'बॉर्डर 2' की सफलता से उत्साहित मेकर्स जल्द ही 'बॉर्डर 3' लेकर आएंगे। 'बॉर्डर 3' को भी 'बॉर्डर 2' के प्रोड्यूसर्स निधि दत्ता और भूषण कुमार मिलकर प्रोड्यूस करेंगे। जल्द ही इसके बारे में आधिक जानकारी सामने आ सकती है। फिलहाल दोनों मेकर्स की ओर से इसको लेकर साफ हिंट दे दिया गया है।

निधि दत्ता ने कर दिया कन्फर्म: 'बॉर्डर 2' के बॉक्स ऑफिस पर सफल होते ही ये खबरें आने लगी थीं कि मेकर्स जल्द ही 'बॉर्डर 3' लेकर भी आएंगे। हालांकि, मेकर्स की ओर से कोई कन्फर्मेशन नहीं आया था, लेकिन फिल्म समीक्षक तरण आदर्श ने ब्रेकिंग न्यूज देते हुए एक्स पर पोस्ट किया कि निधि दत्ता और भूषण कुमार 'बॉर्डर 3' के लिए साथ आ रहे हैं।

हालांकि, इसकी कन्फर्मेशन तब हो गई, जब निधि दत्ता ने तरण आदर्श की इस पोस्ट को री-शेयर किया। यही नहीं, निधि दत्ता ने 'बॉर्डर 3' को लेकर चल रही कई अन्य खबरों को भी री-शेयर किया है। इससे यह पुष्टि होती है कि मेकर्स 'बॉर्डर 3' बनाने के लिए तैयार हैं। हालांकि, अब देखना ये है कि मेकर्स आधिकारिक रूप से कब फिल्म की घोषणा करते हैं।

बॉक्स ऑफिस पर जमकर पैसा छाप रही 'बॉर्डर 2': 23 जनवरी को रिलीज हुई 'बॉर्डर 2' बॉक्स ऑफिस पर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है। फिल्म ने 30 करोड़ रुपए के साथ अपनी शुरुआत की थी। इसके बाद फिल्म ने तीन दिनों में 100 करोड़ के आंकड़े को पार कर लिया और चार दिनों में फिल्म 150 करोड़ से भी ऊपर निकल गई। अब तक पांचवें दिन के कलेक्शन को मिलाकर फिल्म 188.51 करोड़ रुपए की कमाई कर चुकी है।

'बॉर्डर 2' की कहानी: 'बॉर्डर 2' भी 'बॉर्डर' की तरह ही 1971 की हिंदुस्तान-पाकिस्तान के युद्ध पर आधारित फिल्म है। हालांकि, दोनों ही फिल्मों की कहानी में अलग-अलग सिपाहियों की कहानी को दिखाया गया है। हालांकि, 'बॉर्डर 2' भी जवानों और उनके परिवार को बिल्कुल उसी तरह दिखाती है। इस फिल्म में पाकिस्तान के ऑपरेशन चंगेज खान के खिलाफ भारत की सेना की तीनों टुकड़ियों की लड़ाई को दिखाया गया है। कैसे भारतीय जवानों ने पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया था।

'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' में अक्षय कुमार, रितेश देशमुख, श्रेयस तलपड़े फिर एक साथ आए नजर

सुपरहिट फिल्म हाउसफुल 2 के स्टार अक्षय कुमार, रितेश देशमुख और श्रेयस तलपड़े गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' में एक बार फिर साथ नजर आए। इस शो को अक्षय कुमार होस्ट कर रहे हैं। इसे लेकर एक्टर रितेश देशमुख ने कहा, 'अक्षय कुमार के साथ यह गेम खेलना इसे और भी खास बनाता है। उनका चार्म, हाजिरजवाबी और सहजता हर पल को बेहतर बना देती है। मुझे क्लू समझने, हंसने और इस रोमांचक फॉर्मेट में बहुत मजा आया। 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' एक ऐसा शो है, जो आपके दिमाग को दौड़ाता रहता है, जबकि आपका दिल हंसता रहता है। हर स्पिन एक नया सरप्राइज लाता है, और सेट पर एनर्जी दिखती है।'

जेनेलिया देशमुख, जो रितेश के साथ शो में आई थीं, ने कहा, 'अक्षय कुमार के साथ सेट पर होना बहुत अच्छा अनुभव था। उनकी एनर्जी माहौल को बहुत जीवंत और गर्मजोशी वाला बना देती है। यह सच में हाजिरजवाबी, हंसी और शानदार मनोरंजन का जश्न जैसा लगा। एक ऐसा शो, जो इंटेलिजेंस को प्योर फन के साथ मिलाता है, उसमें कुछ बहुत ही खुशी देने वाला होता है और 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' इसे खूबसूरती से करता है। सही शब्दों का अनुमान लगाने के रोमांच से लेकर हर स्पिन के थ्रिल तक, यह आपको पूरी तरह से बांधे रखता है।

एक्टर श्रेयस तलपड़े, जो अक्षय और रितेश के साथ फिल्म हाउसफुल 2 का भी हिस्सा थे, ने कहा, 'अक्षय दादा के साथ स्टेज शेयर करना हमेशा एक शानदार अनुभव होता है। उनकी फुर्ती और तेज दिमाग तुरंत एक्साइटमेंट लेवल को बढ़ा देते हैं। यह शो सस्पेंस, फन और हाई-एनर्जी गेमप्ले का एक परफेक्ट मिक्स देता है, जिसे दर्शक निश्चित रूप से पसंद करेंगे। 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' आपको आखिरी सेकंड तक अनुमान लगाने पर मजबूर करता है। यह रोमांचक, चालाक और बहुत मनोरंजक है। यह दिमाग की मौजूदगी का एक असली टेस्ट है।

गौरतलब है कि अक्षय कुमार, रितेश देशमुख, श्रेयस तलपड़े सुपरहिट फिल्म हाउसफुल 2 में साथ काम किए थे। इस फिल्म में जॉन अब्राहम, असिन, जैकलिन फर्नांडीज, ईशा गुप्ता और जरीन खान भी थे। यह फिल्म 2012 में रिलीज हुई थी।

सारा अली खान से ओरी ने बनाई दूरी, अमृता सिंह को लेकर कहा, 'उन्होंने परेशान किया'

इन्फ्लुएंसर और कंटेंट क्रिएटर ओरी इन दिनों सारा अली खान और इब्राहिम अली खान को लेकर सुर्खियों में हैं। वह एक समय सारा अली खान के साथ काफी क्लोज थे। हालांकि, अब खबरें हैं कि दोनों के बीच अनबन हो गई है। उनके बीच मनमुटाव तब शुरू हुआ, जब ओरी ने सारा, पलक और अमृता सिंह पर तंज कसा। इसके बाद सारा और इब्राहिम ने ओरी को इंस्टाग्राम पर अनफॉलो कर दिया।

सारा की मां से ओरी हुए परेशान: ओरी ने हाल ही अपने झगड़े पर बात की है। उन्होंने दावा किया है कि उन्होंने सारा अली खान की मां की वजह से सारा से दूरी बनाई है। उन्होंने बताया कि सारा की मां अमृता सिंह ने उन्हें परेशान किया। ओरी ने कहा, 'मैंने कुछ समय पहले सारा को अनफॉलो कर दिया था। मैंने वर्षों से इब्राहिम को फॉलो नहीं किया है। सारा के साथ दोस्ती रखने का मतलब है कि परेशानी को नजरअंदाज करना। उनकी मां ने मुझे परेशान किया। मुझे नहीं लगता कि मैं अब और ऐसा कर पाउंगा।'

क्या है पूरा मामला: हाल ही सारा अली खान और इब्राहिम अली खान ने कथित तौर पर ओरी को इंस्टाग्राम पर अनफॉलो कर दिया था। इसकी वजह यह बताई जा रही है कि बीते दिनों ओरी ने सारा अली खान और पलक तिवारी के नाम को लेकर खराब कमेंट किया था। ओरी ने कथित तौर पर एक वीडियो शेयर किया था। इसमें उन्होंने महिलाओं के सबसे खराब तीन नामों को लिस्ट किया था। ओरी ने कथित तौर पर सारा, पलक और अमृता के नाम को लेकर कहा कि ये सबसे 'खराब' नाम हैं।

ओरी ने किया अपना बचाव: ओरी ने अपना बचाव करते हुए कहा कि यह सिर्फ एक मजाक था। मेरा मतलब किसी को नीचा दिखाना नहीं था। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें पूरा यकीन है कि सारा को इससे बुरा नहीं लगा होगा। ओरी से जब पूछा गया कि क्या वह भविष्य में सारा के साथ सुलह करेंगे, तो ओरी ने कहा, 'अगर अमृता सिंह माफी मांगती हैं तो हो सकता है कि मैं भविष्य में इस बात को भूल जाऊं।'

सैन्य अधिकारी की पत्नी का रोल एक अलग अनुभव, उनमें ताकत और डर का मिश्रण : चित्रांगदा सिंह

अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह अपकमिंग फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' में एक सैन्य अधिकारी की पत्नी के किरदार में नजर आएंगी। इस रोल की तैयारी के दौरान उन्होंने मिलिट्री परिवारों की महिलाओं की ताकत और अंदरूनी भावनात्मक डर को गहराई से समझा। चित्रांगदा ने कहा कि इस किरदार ने उन्हें अपनी मां और ऐसी तमाम महिलाओं के संघर्ष को बेहतर तरीके से महसूस कराया। एक इंडियन आर्मी ऑफिसर की बेटी होने के नाते चित्रांगदा को यूनिफॉर्म, बार-बार पोस्टिंग और अनुशासित जीवन की आदत पहले से थी, लेकिन फिल्म के लिए आर्मी पत्नियों से मिलने और उनकी कहानियां सुनने के बाद उन्होंने कहा, 'मेरे पिता आर्मी में थे, उनकी कहानियां सुनना मेरे लिए सामान्य था, लेकिन एक आर्मी पत्नी का रोल निभाना बिल्कुल अलग अनुभव है। जब मैं उन महिलाओं से मिली, तो मुझे अपनी मां की खामोशी, गर्व और चिंता का मिश्रण समझ आया।' चित्रांगदा ने आगे कहा, 'ये महिलाएं हर दिन ताकत और डर दोनों को अपने अंदर संजोकर रखती हैं। मैंने रोल में सिर्फ हिम्मत या मुस्कान नहीं, बल्कि उस भावना को भी दिखाने की कोशिश की, जहां दिल टूटने के बावजूद खुद को संभालना सीखना पड़ता है।' फिल्म में वह उन भारतीय महिलाओं का प्रतीक बनती दिखेंगी, जो वर्दी पहने सैनिकों के पीछे मजबूती से खड़ी रहती हैं। फिल्म में चित्रांगदा, सलमान खान के किरदार के लिए इमोशनल सहारा बनती हैं। वह कहानी में कोमलता, गरिमा और स्थिरता का पुट लाती नजर आएंगी। 'बैटल ऑफ गलवान' 15 जून 2020 को गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुई हिंसक झड़प पर आधारित है। यह टकराव लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) पर हुए बड़े सीमा विवाद का हिस्सा था। इस लड़ाई में 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे। अपूर्व लाखिया के निर्देशन में तैयार फिल्म 17 अप्रेल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। चित्रांगदा सिंह और सलमान खान के साथ फिल्म में अंकुर भाटिया, अभिलाष चौधरी, विपिन भारद्वाज और सिद्धार्थ जैसे सितारे नजर आएंगे।

आलिया भट्ट ने की 'बॉर्डर 2' की तारीफ, वरुण धवन के लिए कहा- दिल और जान डाल दी

वॉर ड्रामा फिल्म 'बॉर्डर 2' रिलीज के बाद से ही दर्शकों और सेलिब्रिटीज के बीच खूब चर्चा में है। फिल्म को मिल रही तारीफों की लिस्ट में नाम मशहूर अभिनेत्री आलिया भट्ट का भी जुड़ गया है। आलिया ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए फिल्म के सभी कलाकारों की तारीफ की। उन्होंने स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म 'बॉर्डर 2' की एक क्लिप शेयर की। इस सीन में वरुण, दिलजीत, अहान शेट्टी, और सनी देओल समेत फिल्म के कई कलाकार नजर आ रहे हैं। इसमें फिल्म के कुछ पावरफुल क्लिप्स भी शामिल हैं। आलिया ने लिखा, 'फिल्म 'बॉर्डर 2' शानदार फिल्मों में से एक है।' अभिनेत्री ने फिल्म के डायरेक्टर अनुराग सिंह और पूरी स्टारकास्ट की परफॉर्मेंस को कमाल का बताया। इसी के साथ ही उन्होंने फिल्म के मुख्य कलाकारों की तारीफ करते हुए लिखा, 'सोनम बाजवा, सनी देओल, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी, मोना सिंह, मेधा राणा और आन्या समेत सभी ने शानदार काम किया है। खासतौर पर मेरे करीबी दोस्त वरुण धवन ने तो हर सीन में अपना दिल और जान डाल दी है, जो कि वह सबसे बेहतर करते हैं। आपके लिए बहुत खुशी हो रही है, वरुण धवन। आपके लिए साल की शुरुआत वाकई जबरदस्त रही। पूरी टीम को मेरी तरफ से बधाई।'

फिल्म बॉर्डर 2 को रिलीज के बाद से ही दर्शकों को जबरदस्त प्यार मिल रहा है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 177 करोड़ आकड़ा पार कर लिया है। फिल्म में कहानी को मजबूत तरीके से दिखाया गया है, जिसकी वजह से यह दर्शकों के दिलों को छू रही है। इसमें सनी देओल के साथ वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी जैसे कलाकारों की दमदार मौजूदगी है। 'बॉर्डर 2'के निर्माता गुलशन कुमार और टी-सीरीज हैं। फिल्म के निर्देशक अनुराग सिंह हैं, जबकि भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जेपी. दत्ता, और निधि दत्ता इसके निर्माण में शामिल हैं। फिल्म को बिना किसी कट के यूए 13 प्लस के सर्टिफिकेट के साथ रिलीज किया गया है।

'दलदल' के सेट पर समारा तिजोरी ने भूमि पेडनेकर को किया इंप्रेस

मच अवेटेड साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर 'दलदल' में भूमि सतीश पेडनेकर के साथ समारा तिजोरी और आदित्य रावल अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह सीरीज खौफनाक हत्याओं, ड्रग्स और एक खतरनाक पीछा-पकड़ की कहानी दिखाती है। हाल ही में भूमि ने अपने को-स्टार्स के साथ काम करने के अनुभव साझा किए और बताया कि वे उनसे काफी प्रभावित और प्रेरित हुईं।

भूमि ने कहा, 'समारा तिजोरी इस पीढ़ी की बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक होंगी। मैंने कई अच्छे कलाकारों के साथ काम किया है, लेकिन समारा और आदित्य वाकई खास हैं। यह उनके कॅरियर की बस शुरुआत है। ऐसे किरदार निभाने के लिए ऐसे ही सच्चे कलाकारों की जरूरत होती है।' उन्होंने आगे कहा, 'मैंने उनके साथ किए हर सीन में देखा कि वे अपने काम को कितनी गंभीरता से लेते हैं और हर सीन के लिए खुद को कैसे तैयार करते हैं।'

'दलदल' में भूमि एक सख्त और निडर पुलिस अफसर डीसीपी रीटा फरेरा की भूमिका निभा रही हैं, जो एक खतरनाक सीरियल किलर आदित्य रावल की तलाश में है। वहीं समारा तिजोरी एक ईमानदार पत्रकार के किरदार में कहानी में नए मोड़ और रोमांच जोड़ती हैं। दर्शक जहां भूमि के दमदार रोल को लेकर उत्साहित हैं, वहीं समारा की परफॉर्मेंस को लेकर भी काफी उम्मीदें हैं।

21 जनवरी को 'दलदल' का ट्रेलर रिलीज किया गया, जिसमें बेरहमी से की गई हत्याओं और एक सीरियल किलर की डरावनी सोच को दिखाया गया है। यह सीरीज विश धमीजा की किताब भेंडी बाजार पर आधारित है और इसे अमृत राज गुप्ता ने डायरेक्ट किया है। इसके निर्माता विक्रम मल्होत्रा और सुरेश त्रिवेणी हैं। 'दलदल' 30 जनवरी को प्राइम वीडियो पर भारत और दुनिया के 240 देशों में रिलीज होगी।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका-मेक्सिको सीमा पर गोलीबारी, एक घायल

मेक्सिको , एजेंसी। अमेरिका और मेक्सिको की सीमा के पास एरिवाका, एरिज़ोना में बॉर्डर पेट्रोल से जुड़ी गोलीबारी में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ। पीमा काउंटी शेरिफ विभाग ने बताया कि घटना के बाद स्वच्छ और अमेरिकी कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन के साथ मिलकर जांच की जा रही है। घायल व्यक्ति को स्थानीय हेलिकॉप्टर के माध्यम से नजदीकी ट्रॉमा सेंटर में ले जाया गया। घटना के बाद घायल को हिरासत में लिया गया है।

बेलग्रेड में छात्र विरोध प्रदर्शनों पर कड़ा रुख, हजारों ने प्रदर्शन किया

बेलग्रेड, एजेंसी। सर्बिया की राजधानी में हजारों लोग इकट्ठा हुए और विश्वविद्यालयों पर लग रहे सरकारी दबाव के खिलाफ आवाज उठाई। 'ज्ञान ही शक्ति है' के नाम से आयोजित शांतिपूर्ण प्रदर्शन में छात्रों और शिक्षकों के समर्थन में लोगों ने भाग लिया, जिन्हें विरोध प्रदर्शन में भाग लेने पर नौकरी या पद से हटाया गया था। छात्र विरोध की शुरुआत नवंबर 2024 में नोवी सैड में रेलवे स्टेशन के गिरने के हादसे से हुई थी, जिसमें 16 लोगों की मौत हुई थी। सरकार पर छात्रों और शिक्षकों पर दबाव बनाने के आरोप लगे हैं।

अमेरिका ने वेनेजुएला में दूतावास फिर खोलने के लिए उठाए कदम

वाशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन ने कांग्रेस को सूचित किया है कि वे बंद हुए अमेरिकी दूतावास को संभावित रूप से फिर से खोलने के लिए पहले कदम उठा रहे हैं। अस्थायी कर्मचारियों को दूतावास की चयनित कूटनीतिक गतिविधियों के लिए भेजा जाएगा। वर्तमान दूतावास परिसर, जो मार्च 2019 में बंद किया गया था, उसे मानक के अनुसार तैयार किया जाएगा।

इस्राइल ने वेस्ट बैंक में इतालवी अधिकारियों पर हुए हथियार की कार्रवाई की जांच का वादा किया

येरुशलम, एजेंसी। इस्राइल ने वेस्ट बैंक में दो इतालवी सुरक्षा अधिकारियों को स्वचालित हथियार के जरिए रोके जाने के मामले की जांच का वादा किया है। इस्राइल के इटली दूत जोनाथन पेल्ड ने इतालवी विदेश मंत्री की मांग पर रोम में यह आश्वासन दिया। इतालवी अधिकारियों का कहना है कि उन्हें डिप्लोमेटिक वाहन होने के बावजूद रोका गया और हथियार दिखाया गया। इस्राइल ने कहा कि यह सेना की मानक प्रक्रिया के तहत किया गया था।

नाइजीरिया में तख्तापलट की साजिश में कई सैन्य अफसरों पर चलेगा केस

नाइजीरिया , एजेंसी। नाइजीरिया कई सैन्य अधिकारियों पर तख्तापलट साजिश के आरोप में मुकदमा चलाएगा। नाइजीरियाई रक्षा मुख्यालय ने बताया कि जांच पैनल की रिपोर्ट में राष्ट्रपति बोला टीनुबू की सरकार के खिलाफ तख्तापलट की योजना के सबूत मिले हैं। बीते साल अक्तूबर में अनुशासनहीनता और सेवा नियमों के उल्लंघन के आरोप में 16 अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि इनमें से कितनों पर मुकदमा चलेगा। फिलहाल अधिकारियों के नाम भी सार्वजनिक नहीं किए गए हैं।

इंडोनेशिया में भूस्खलन में फंसे 23 सैनिकों की मौत

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के पश्चिमी जावा प्रांत में हुए भूस्खलन में फंसे 23 मरीन सैनिकों की मौत हो गई है। यह हादसा शनिवार को बांडुंग बारात क्षेत्र के पासिर लंगु गांव में भारी बारिश के बाद हुआ। सैनिक इंडोनेशिया-पापुआ न्यू गिनी सीमा पर तैनाती से पहले प्रशिक्षण अभ्यास में जुटे थे। आपदा प्रबंधन एजेंसी के अनुसार, कुल मृतकों की संख्या 20 से बढ़कर 23 हो गई है, जबकि 42 लोग अब भी लापता हैं। लगभग 800 बचावकर्मी, सेना, पुलिस और नौ खोदाई मशीनें राहत कार्य में लगी हैं।

फिलीपीन में जहाज डूबने से 18 की मौत, कंपनी के अन्य जहाजों पर रोक

बेसिलान , एजेंसी। फिलीपीन में यात्री जहाज डूबने की घटना के बाद सरकार ने संबंधित कंपनी के अन्य जहाजों के संचालन पर अनिश्चितकालीन रोक लगा दी है। दक्षिणी बेसिलान प्रांत के पास एम/वी त्रिशा केरस्टिन-3 फेरी के डूबने से कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई, जबकि 316 यात्रियों को बचा लिया गया। अभी भी 10 लोग लापता हैं, इनमें से अधिकांश चालक दल के सदस्य हैं। नाव में 317 यात्री और 27 क्रू सवार थे। तटरक्षक बल और नौसेना गहराई में स्थित मलबे की तलाश कर रही है। सरकार ने जहाजों की समुद्री सुरक्षा जांच के आदेश दिए हैं।

चिड़ावा: वार्ड 16 में लोगों को काटने वाले पालतू कुत्ते को नगरपालिका टीम ने पकड़ा

अधिशासी अधिकारी के निर्देश पर बगड़ से बुलाई गई टीम, झुंझुनूं भेजा गया कुत्ता

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

शहर के वार्ड नंबर 16 में एमआरएस स्कूल के पीछे स्थित क्षेत्र में एक पालतू कुत्ते द्वारा लगातार लोगों को काटे जाने की घटनाओं से वार्डवासियों में भय का माहौल बना हुआ था। स्थानीय लोगों के अनुसार उक्त कुत्ता बीते कई दिनों में करीब 18 लोगों को काट चुका था, जिससे क्षेत्र में दहशत व्याप्त हो गई थी और लोग घरों से बाहर निकलने में भी डर महसूस कर रहे थे।स्थिति की गंभीरता को देखते हुए 20 जनवरी को वन विभाग और नगरपालिका की संयुक्त टीम ने गोरक्षक अभिषेक पारीक के सहयोग से कुत्ते को पकड़ने का प्रयास किया था, लेकिन कुत्ता टीम को चकमा देकर मौके से भाग निकला। इसके बाद बुधवार को भी नगरपालिका टीम द्वारा कुत्ते को पकड़ने के प्रयास किए गए, लेकिन उस दिन भी सफलता नहीं मिल सकी। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद गुरुवार को चिड़ावा अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार नुनिया के निर्देश पर बगड़ से विशेष टीम को बुलाया गया। नगरपालिका एसआई संदीप लाम्बा की देखरेख में टीम ने सफलतापूर्वक कुत्ते को पकड़ लिया। कुत्ते को पकड़ने के बाद उसे वैन में डालकर झुंझुनूं के लिए रवाना किया गया। इस कार्रवाई के दौरान नगरपालिका टीम से जमादार विनोद कुमार, मनोज कुमार, विजय कुमार, अंग्रेज सिंह, अमित मंड्रेलिया, अमित जैदिया, दीपक यादव, अनिल सुलताना सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। कुत्ते के पकड़े जाने के बाद वार्डवासियों ने राहत की सांस ली। नगरपालिका टीम इन दिनों शहर में सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। उल्लेखनीय है कि बुधवार को भी शहर में बंदर के आतंक की सूचना मिलने पर टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बंदर का रेस्क्यू कर उसे सुरक्षित स्थान पर छोड़ा था।

मंडावा में टूटी सड़क, गंदे पानी व खुले नाले की समस्या को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

लगातार हो रही दुर्घटनाओं से परेशान लोगों ने शीघ्र समाधान की मांग की

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावा।

बिसाऊ चौराहे से बिसाऊ रोड हाईवे तक सड़क पूरी तरह से टूट-फूट का शिकार हो चुकी है, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। इसी के साथ क्षेत्र में गंदे पानी की समस्या और बाजीसर गेट से लगभग 500 मीटर तक खुले नाले के कारण आमजन और पशुओं के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है। इन समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर आज स्थानीय लोगों द्वारा मंडावा एसडीएम मुनेशी कुमारी को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन देने पहुंचे लोगों ने एसडीएम को बताया कि सड़क की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर गड्ढों के कारण लगातार हादसे हो रहे हैं। वहीं बाजीसर गेट क्षेत्र में खुले नाले में आए दिन गायें और राहगीर गिरकर घायल हो रहे हैं, जिससे क्षेत्रवासियों में रोष है। लोगों ने एसडीएम से मांग की कि मंडावा-बिसाऊ रोड की मरम्मत कार्य जल्द शुरू कराया जाए, गंदे पानी की समस्या का स्थायी समाधान किया जाए और खुले नाले को तुरंत ढकवाया जाए, ताकि किसी बड़ी दुर्घटना से बचा जा सकें। ज्ञापन सौंपने के दौरान अयूब खान, समाजसेवी अमित मीणा, अफजल कुमार, आबिद खोखर, वसीम चौहान, मुबारिक मोहम्मद, सोयब, फहरान सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहें।एसडीएम मुनेशी कुमारी ने ज्ञापन प्राप्त कर संबंधित विभागों से समन्वय कर शीघ्र उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

गणतंत्र दिवस पर विद्यार्थियों का सम्मान किया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिराना।

राज्य सरकार द्वारा सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया जाता रहा है इसकी जानकारी छोटे विद्यार्थियों को भी भली प्रकार से हो सके, इसके लिए कस्बे के निकटवर्ती चिरानिया शिक्षण संस्थान माध्यमिक विद्यालय बागोरिया की ढाणी में सड़क सुरक्षा पर एक समसाम यिक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन डॉ राजेंद्र कुमावत द्वारा एक महीने पहले करवाया गया था, जिसमें विजेता रहे छात्रों को गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में आए डॉ.राजेन्द्र कुमावत ने उनको सम्मानित किया गया। प्रथम रहें कल्पित सैनी को सिल्वर मेडल से नवाजा तो वहीं द्वितीय स्थान पर अंकित सैनी व तीसरे स्थान पर विनीता सैनी रहे जिनको ब्रोंज मेडल पहनाया गया।विद्यालय स्टाफ ने विजेता रहे होनहार विद्यार्थियों के साथ फोटो सेशन भी करवाया। संस्था के निदेशक ओम प्रकाश सैनी ने मंच का संचालन किया। इस दौरान सुरेश कुमार, महेश कुमार, महेश कुमार औलखा, सुरजमान सिगोदिया, विजय सिंह अध्यापक गण एवं श्रीमती सुलोचना, सुनिता, सरोज सैनी, मंजू सैनी सुश्री सुमन बेरवाल, संजू, ऐश्वर्या आशा, निष्ठा, सरिता, ममता, अध्यापिकाएँ उपस्थित रहें।

दो संघीय अधिकारियों ने गोलियां चलाईं- कांग्रेस से बोला डीएचएस

वाशिंगटन, एजेंसी। सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा के एक अधिकारी ने मंगलवार को कांग्रेस को भेजे गए एक नोटिस में बताया कि मिनियापोलिस में आईसीयू नर्स एलेक्स प्रेटी की मौत के मामले में दो संघीय अधिकारियों ने गोलीबारी की थी। कांग्रेस को भेजी गई एक सूचना के अनुसार, अधिकारियों ने प्रेटी को हिरासत में लेने की कोशिश की और उसने विरोध किया, जिसके कारण हाथापाई हुई। अधिकारी ने बताया कि हाथापाई के दौरान, सीमा गश्ती दल के एक एजेंट ने कई बार चिल्लाकर कहा, 'उसके पास बंदूक है!'

इस नोटिस में कहा गया है कि बॉर्डर पेट्रोल अधिकारी और सीबीपी अधिकारी दोनों ने ग्लॉक पिस्तौल से गोली चलाई। नोटिस में कहा गया है कि सीबीपी के व्यावसायिक उत्तरदायित्व कार्यालय के जांचकर्ताओं ने बॉडी-वियर कैमरा फुटेज और एजेंसी के दस्तावेजों की समीक्षा के आधार पर विश्लेषण किया। कानून के अनुसार, एजेंसी को सीबीपी हिरासत में हुई मौतों के बारे में 72 घंटों के भीतर संबंधित कांग्रेस समितियों को सूचित करना अनिवार्य है। यह अधिसूचना राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से प्रेटी की मौत के बाद मिनेसोटा में अपने प्रशासन की आव्रजन संबंधी कार्रवाई की कमान सीमा प्रमुख टॉम होमन को सौंपने के एक दिन बाद आई है। एलेक्स प्रेटी की मौत इस महीने आव्रजन कानून प्रवर्तन अधिकारियों के हाथों किसी व्यक्ति की हुई दूसरी घातक गोलीबारी थी।

बलूचिस्तान : सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 10 विद्रोही मारे गए

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में एक अभियान के दौरान दो विद्रोही समूहों से जुड़े दस लोग मारे गए, जबकि 10 सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। आतंकवाद निरोधक विभाग (सीटीडी) के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) आयेतजाद अहमद गोराया ने क्वेटा में पत्रकारों को बताया कि यह घटना सोमवार को पंजगुर शहर के पहाड़ी इलाकों में हुई।

ट्रम्प बोले- दूसरा नौसैनिक बेड़ा ईरान की ओर बढ़ रहा

नए समझौते पर सहमति का दबाव बनाया, एक जंगी बेड़ा पहले ही पहुंच चुका है

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के खिलाफ शिकंजा और कसने की तैयारी में है। अमेरिका ईरान के आसपास अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ा रहा है। मंगलवार को दिए एक भाषण में ट्रम्प ने दावा किया कि अमेरिका का एक और नौसैनिक बेड़ा ईरान की दिशा में आगे बढ़ रहा है। हालांकि, इसकी उन्होंने ज्यादा जानकारी नहीं दी। उन्होंने उम्मीद जताई कि ईरान को नए समझौते पर सहमत किया जा सकता है।

एक हफ्ते पहले भी ट्रम्प ने इसी तरह का बयान देते हुए कहा था कि एक बड़ा अमेरिकी सैन्य बेड़ा ईरान की तरफ बढ़ रहा है। बीबीसी फारसी की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी युद्धपोत 'यूएसएस अब्राहम लिंकन' मिडिल ईस्ट में पहुंच चुका है। यूएसएस अब्राहम लिंकन अमेरिकी नौसेना का एक न्यूक्लियर-पावर्ड एयरक्राफ्ट कैरियर है। यह दुनिया के सबसे बड़े और सबसे ताकतवर वॉरशिप में से एक माना जाता है।

अमेरिका ने ईरान के आगे 4 शर्तें रखी : ट्रम्प ने एक्सियोस को दिए एक अलग इंटरव्यू में कहा कि ईरान के साथ स्थिति अभी बदल रही है। उन्होंने दावा किया कि ईरान अब बातचीत के लिए तैयार हो सकता है। ट्रम्प ने कहा, 'ईरान के पास वेनेजुएला से बड़ा आर्मडा (बेड़ा) है।' उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के अधिकारी कई बार संपर्क कर चुके हैं और वे डील करना चाहते हैं। ट्रम्प का मानना है कि ईरान बात करने के लिए उत्सुक है।

एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने पत्रकारों को बताया कि अमेरिका बातचीत के लिए तैयार है। अगर ईरान संपर्क करता है और शर्तें मानता है तो बात होगी। इस महीने अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने समझौते के लिए शर्तें बताई हैं-

ईरान के खिलाफ पहले कार्यकाल से आक्रामक रहे ट्रम्प : ट्रम्प ने अपने पहले कार्यकाल (2017-2021) में ईरान के साथ 2015 के परमाणु समझौते संयुक्त व्यापक कार्य योजना (जेसीपीओए) से अमेरिका को पूरी तरह बाहर निकाल लिया था। यह समझौता ओबामा प्रशासन के समय में जुलाई 2015 में हुआ था, जिसमें ईरान, अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, रूस, चीन और यूरोपीय संघ शामिल थे। समझौते के तहत ईरान ने अपनी परमाणु गतिविधियों पर कई सख्त सीमाएं लगाई थीं, जैसे:

ईरान पर मैक्सिमम प्रेशर की नीति अपनाते हैं ट्रम्प : इसके बदले में ईरान को अमेरिका और अन्य देशों ने लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों में छूट दी, खासकर तेल निर्यात, बैंकिंग और व्यापार पर। इससे ईरान की अर्थव्यवस्था को फायदा हुआ था। ट्रम्प ने चुनाव प्रचार में ही इस समझौते को दुनिया का सबसे खराब समझौता कहा था। उनका कहना था कि यह समझौता ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षा को सिर्फ टालता है, खत्म नहीं करता। ईरान ने समझौते में बुरे इरादे से हिस्सा लिया और पहले अपना परमाणु हथियार कार्यक्रम छिपाया था। उन्होंने कहा था कि समझौता ईरान के अन्य बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम, क्षेत्रीय प्रॉक्सी ग्रुप्स को समर्थन, आतंकवाद और अमेरिकियों की हिरासत पर रोक नहीं लगाता।8 मई 2018 को ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में जॉइंट कॉम्प्रीहेंसिव प्लान ऑफ एक्शन (जेसीपीओए) से बाहर निकलने की घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने उन सभी प्रतिबंधों को फिर से लागू कर दिया जो समझौते के तहत हटाए गए थे।

अमेरिकी महिला सांसद इल्हान ओमर पर हमला, युवक ने लिक्विड स्प्रे किया

मिनेसोटा, एजेंसी। अमेरिका के मिनेसोटा राज्य में एक मीटिंग के दौरान महिला सांसद इल्हान ओमर पर हमला किया गया। मंगलवार को मिनियापोलिस में आयोजित कार्यक्रम में एक व्यक्ति ने उन पर अज्ञात लिक्विड स्प्रे किया। हमले के बाद सुरक्षाकर्मियों ने आरोपी को मौके पर ही दबोच लिया। सांसद ओमर को कोई चोट नहीं आई। रॉयटर्स के मुताबिक, घटना के वक्त इल्हान ओमर मंच से इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट एजेंसी को खत्म करने की मांग कर रही थीं। उसी दौरान एक व्यक्ति मंच की ओर दौड़ा और सिरिंज से गहरे रंग का लिक्विड उन पर छिड़क दिया। हमलावर को थर्ड-डिग्री

असॉल्ट के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने अब तक यह नहीं बताया है कि तरल पदार्थ क्या था।

यह पूरी घटना सी-एसपीएएन के वीडियो में रिकॉर्ड हुई। वीडियो में देखा गया कि हमलावर को तुरंत जमीन पर गिराकर काबू में कर लिया गया, जबकि दर्शक सदमे में आ गए। हमले से कुछ सेकंड पहले ओमर कह रही थीं कि आईसीई को सुधारा नहीं जा सकता और इसे पूरी तरह खत्म किया जाना चाहिए। उन्होंने होमलैंड सिक्योरिटी विभाग की सचिव क्रिस्टी नोएम के इस्तीफे की भी मांग की थी। हमले के बाद ओमर ने समर्थकों से कहा कि वह ठीक हैं। कुछ लोगों ने दावा किया कि तरल से बदबू आ रही थी और मेडिकल जांच करानी चाहिए। इसके बावजूद ओमर मंच पर लौटीं और कहा, 'हम मिनेसोटा स्ट्रॉन्ग हैं और ऐसे लोगों से डरने वाले नहीं हैं।'

इल्हान ओमर सोमाली मूल की अमेरिकी नागरिक हैं और 2018 में अमेरिकी कांग्रेस में चुनी जाने वाली पहली मुस्लिम महिलाओं में शामिल रही हैं। वह इमिग्रेशन सुधार और गाजा युद्ध के मुद्दे पर इजराइल की आलोचना को लेकर पहले भी विवादों में रही हैं। वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की भी मुखर आलोचक रही हैं, जिन्होंने हाल के महीनों में उन पर तीखे बयान दिए थे।

ट्रंप ने फिर राष्ट्रपति पद की दावेदारी के दिए संकेत, आयोवा रैली में बड़ा बयान; चुनाव धांधली के आरोप दोहराए

आयोवा , एजेंसी। अमेरिका में इस साल मध्यावधि चुनाव 2026 होने जा रहे हैं। इससे पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार (स्थानीय समय) को अपने उस पुराने दावे को दोहराया कि 2020 का राष्ट्रपति चुनाव धोखाधड़ी वाला था। मध्यावधि चुनावों को लेकर ट्रंप चुनावी प्रचार में जुट गए हैं। ऐसे में आयोवा रैली में ट्रंप ने फिर से 'धांधली वाले चुनाव' का दावा दोहराया और समर्थकों में जोश भरने का काम किया। इतना ही नहीं उन्होंने दोबारा राष्ट्रपति पद की दावेदारी के संकेत भी दिए हैं।

आयोवा के क्लाइव में मंच से भीड़ को संबोधित करते हुए उन्होंने एक बार फिर 2020 के राष्ट्रपति चुनाव का जिक्र किया और कहा कि हमारे यहां धांधली वाला चुनाव हुआ था। इसी के साथ उन्होंने किफायती आवास के मुद्दे पर अपने रिकॉर्ड का बचाव किया और नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले रिपब्लिकन उम्मीदवारों के लिए आक्रामक रूप से प्रचार करने की योजना की रणनीति भी पेश की।

अमेरिका में 2026 के मध्यावधि चुनावों के मद्देनजर राजनीतिक माहौल लगातार गर्माया हुआ है। इस बीच आयोवा रैली में ट्रंप ने महंगाई और जीवन-यापन की लागत जैसे मुद्दों पर अपनी सरकार की नीतियों का बचाव किया और रिपब्लिकन उम्मीदवारों के समर्थन में जोरदार चुनाव प्रचार करने की बात कही। अपने संबोधन के दौरान ट्रंप ने राष्ट्रपति पद के कार्यकाल पर संवैधानिक सीमाओं के बावजूद पद पर एक और कार्यकाल की तलाश करने की संभावना का भी संकेत दिया। उन्होंने समर्थकों से पूछा, 'क्या हमें चौथी बार कोशिश करनी चाहिए?' बता दें कि अमेरिकी संविधान के मुताबिक कोई भी व्यक्ति दो बार ही राष्ट्रपति बन सकते है। ऐसे में ट्रंप का चौथी बार राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ने के संकेत देश के अंदर नया राजनीतिक विवाद खड़ा कर सकता है।

व्हाइट हाउस के मुताबिक डोनाल्ड ट्रंप आने वाले महीनों में कई अहम राज्यों में चुनाव प्रचार करेंगे और पार्टी उम्मीदवारों के समर्थन में रैलियां करेंगे। हाल ही में उन्होंने कहा था कि मैं बहुत ज्यादा चुनावी यात्राएं करने वाला हूं। हालांकि ट्रंप ने यह भी स्वीकार किया कि अमेरिकी इतिहास में मध्यावधि चुनाव आमतौर पर सत्तारूढ़ राष्ट्रपति की पार्टी के लिए चुनौतीपूर्ण रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मध्यावधि चुनावों में मौजूदा राष्ट्रपतियों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहता है।'

इसके बावजूद ट्रंप पहले ही नॉर्थ कैरोलिना, पेंसिल्वेनिया और मिशिगन जैसे स्विंग स्टेट्स में चुनावी रैलियां कर चुके हैं, जिन्हें आगामी चुनावों में बेहद अहम माना जा रहा है। बता देंकि अमेरिका में 3 नवंबर को मध्यावधि चुनाव होंगे, जिसमें प्रतिनिधि सभा की सभी 435 सीटों और सीनेट की 100 में से 35 सीटों पर मतदान होगा।

नेतन्याहू बोले-गाजा में अमेरिका की वजह से हमारे सैनिक मरे

बाइडेन पर हथियारों की सप्लाई रोकने का आरोप लगाया, कहा- अब अपनी हथियार इंडस्ट्री बनाएंगे

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने आरोप लगाया है कि अमेरिका की वजह से इजराइल के कई सैनिक मारे गए। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक उन्होंने कहा कि हमास के खिलाफ गाजा जंग के दौरान हथियारों और गोला-बारूद की सप्लाई रोक दी गई थी।

नेतन्याहू ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि इजराइल के पास जरूरी गोला-बारूद खत्म हो गया था, इस वजह से कुछ सैनिकों की जान चली गई। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि इस वजह से कितने सैनिकों की मौत हुई। इजराइली पीएम ने सीधे तौर पर पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन का नाम नहीं लिया, लेकिन कहा कि यह हथियार रोक तब खत्म हुई जब अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प राष्ट्रपति बने।

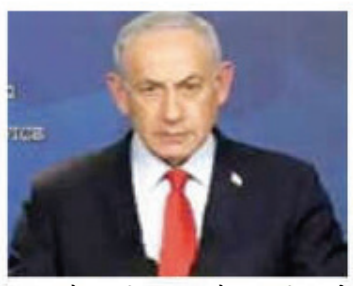

उनके मुताबिक, ट्रम्प के राष्ट्रपति बनते ही इजराइल को फिर से हथियार मिलने लगे। नेतन्याहू ने कहा कि विदेशी सैन्य सहायता पर निर्भरता कम करने के लिए वे एक मजबूत और स्वतंत्र घरेलू हथियार इंडस्ट्री बनाएंगे।

अमेरिकी सहायता पर निर्भरता कम करना चाहते हैं नेतन्याहू : नेतन्याहू ने कहा कि युद्ध में सैनिकों की मौत आम बात है, लेकिन साथ ही यह भी तर्क दिया कि कुछ मौतों को टाला जा सकता था। नेतन्याहू ने बताया कि गोला-बारूद की कमी के कारण सैनिकों को घरों में घुसकर लड़ना पड़ा और कई सैनिक मारे गए। नेतन्याहू ने जोर देकर कहा कि उन्होंने फैसला किया है कि ऐसा दोबारा कभी नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह चाहते हैं कि अगले दशक के भीतर इजराइल अमेरिकी सहायता पर निर्भरता कम कर दे। नेतन्याहू ने इजराइल-अमेरिका संबंध को सहायता से साझेदारी में बदलने की बात कही, जिसमें इजराइल में विकास शामिल हो। उन्होंने आगे कहा कि इस तरह का सहयोग भारत और जर्मनी सहित अन्य सहयोगी देशों तक भी बढ़ाया जा सकता है। उनका लक्ष्य हथियार के क्षेत्र में अधिकतम स्वतंत्रता हासिल करना है, ताकि कभी भी हथियारों या गोला-बारूद की कमी न हो।

इजराइल को हर साल ?32,000 करोड़ की सहायता देता अमेरिका : वॉर पावर इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका इजराइल को हर साल लगभग 3.8 अरब डॉलर (करीब 32,000 करोड़ रुपये) का सैन्य सहायता देता है। यह मुख्य रूप से फॉरेन मिलिट्री फाइनेंसिंग के तहत होता है, जिसमें 3.3 अरब डॉलर सामान्य हथियार खरीद के लिए और 500 मिलियन डॉलर मिसाइल डिफेंस सिस्टम के लिए दिए जाते हैं।

यह सहायता 2016 में साइन हुए 10 साल के समझौते के तहत दी जाती है। यह 2019 से शुरू हुआ और 2028 तक चलेगा। इस एमओयू के तहत कुल 38 अरब डॉलर की सहायता का वादा किया गया था, जो हर साल बराबर किश्तों में मिलती है। यह समझौता ओबामा प्रशासन में हुआ था। अमेरिकी कांग्रेस हर साल इसे अप्रूव करती है। इसके अलावा अक्टूबर 2023 से गाजा युद्ध शुरू होने के बाद अमेरिका ने अतिरिक्त सहायता दी है। 2023-2025 तक कुल 21.7 अरब डॉलर से ज्यादा मिलिट्री एड दी गई है, जिसमें 2024 में 8.7 अरब डॉलर का स्पेशल पैकेज शामिल है।

2025 में भी सालाना 3.8 अरब डॉलर के आसपास जारी रही और ट्रम्प प्रशासन ने मार्च 2025 में इमरजेंसी अथॉरिटी से 4 अरब डॉलर की फास्ट-ट्रैक सहायता दी। कुल मिलाकर, अक्टूबर 2023 से अब तक करीब 17-22 अरब डॉलर या उससे ज्यादा की सहायता दी जा चुकी है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com